प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

भाग–1 : मई, 2017 की परीक्षा में लागू होने या न लागू होने को दर्शाती उद्घोषणायें

(अ) मई, 2017 की परीक्षा में लागू

(i) कम्पनी अधिनियम, 2013

31 अक्टूबर, 2016 तक कम्पनी अधिनियम, 2013 में यदि महत्वपूर्ण परिवर्तन अधिसूचित किये गये हैं, तो मई 2017 की परीक्षा में लागू होंगे।

(ii) कम्पनी मामलों के मंत्रालयो (MCA) द्वारा कम्पनी (लेखा मानक) नियम, 2006 में संशोधन

कम्पनी मामलों के मंत्रालयों (MCA) द्वारा कम्पनी (लेखा मानक) नियम, 2006 में 30.03. 2016 में जो संशोधन किये गये हैं, वे मई 2017 की परीक्षा में लागू होंगे।

कम्पनी मामलों के मंत्रालय (MCA) ने कम्पनी अधिनियम, 2013 को ध्यान में रखते हुये कम्पनी (लेखा मानक) नियम, 2006 में संशोधन करते हुये कम्पनी (लेखा मानक) संशोधन नियम, 2016 का निर्गमन किया है। वे जहाँ कहीं जरूरत है, लागू होंगे। लेखा मानक AS-2, AS-4, AS-10, AS-13, AS-14, AS-21, AS-29 कम्पनी (लेखा मानक) नियम, 2006 में विशेषकर उन नियमों को उसी नम्बर पर कम्पनी अधिनियम, 2013 में स्थानापन्न किया गया है।

निम्नलिखित सूची कम्पनी (लेखा मानक) संशोधन नियम, 2016 में किये गये बदलावों को दर्शाती है। साथ ही साथ कम्पनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के वे नियम जो प्रश्न पत्र–5 के लिये महत्वपूर्ण है, उसे भी दर्शाती है।

मानक के नाम	अनुच्छेद संख्या	कम्पनी (लेखा मानक) नियम, 2006 के अनुसार	कम्पनी (लेखा मानक) संशोधन नियम, 2016 के अनुसार	परिणाम
लेखा मानक-4	लेखा मानक 4 का फुटनोट	1 अप्रैल, 2004 या इसके बाद प्रारम्भ होने वाली लेखांकन अवधियों के संदर्भ में लेखा मानक 29 के प्रावधानों ''आकस्मिक दायित्वों तथा आकस्मिक सम्पत्तियों'' का अनुसरण अनिवार्य होने से, आकस्मिकताओं के साथ	इस लेखा मानक के सभी अनुच्छेद जो आकस्मिकताओं से सम्बन्ध रखते हैं, उसी सीमा तक लागू होंगे जब तक वो किसी अन्य लेखा मानक जो केन्द्रीय सरकार द्वारा बनाये गये लेखा मानक में शामिल न हों उदाहरण स्वरूप वित्तीय सम्पत्तियों की	फुटनोट में संशोधन कर दिया गया।

© The Institute of Chartered Accountants of India

		सरोकार रखने वाले अनुच्छेदों जैसे 1(a), 2, 3.1, 4 (4.1 to 4.4) 5 (5.1 to 5.6), 6, 7 (7.1 to 7.3, 9.1 (महत्वूपर्ण हिस्सा), 9.2, 10, 11, 12 एवं 16 सभी अनुच्छेदों को वापस ले लिया गया है, सिवाय उनके जो संपत्ति की क्षतियों के सम्बन्ध में किसी अन्य भारतीय लेखा मानक द्वारा सम्मिलित होने से सरोकार नहीं रखते हैं। उदाहरण स्वरूप प्राप्यों की क्षतिपूर्ति (इसी प्रकार अशोध्य एवं संदिग्ध ऋणों के लिये संचय) लेखा मानक 4 में लगातार शामिल होगें।	क्षति जैसे प्राप्य की क्षति (जो सामान्यतया डूबत एवं संदिग्ध ऋणों के संचय के रूप में जानी जाती है) यह उक्त लेखा मानक से प्रभावित होगी।	
	8.5	ये ऐसी घटनायें हैं जो, हाँलाकि आर्थिक चिट्ठा तिथि के बाद होती हैं, जिन्हें वैधानिक आवश्यकताओं के कारण या अपनी विशेष प्रकृति के कारण कभी कभी वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित किया जाता है। ऐसी मदों में वित्तीय विवरणों द्वारा आवरित अवधि के संबंध में आर्थिक चिट्ठा तिथि के बाद उद्यम द्वारा घोषित या प्रस्तावित लाभांश की राशि शामिल होती है।	ऐसी घटनायें जो, हाँलांकि आर्थिक चिट्ठा तिथि के बाद होती हैं, जिन्हें वैधानिक आवश्यकताओं के कारण या अपनी विशेष प्रकृति के कारण कभी कभी वित्तीय विवरणों में प्रदर्शित किया जाता है। उदाहरण स्वरूप यदि लाभांश की घोषणा आर्थिक चिट्ठा की तिथि के बाद किया जाता है लेकिन वित्तीय विवरण के अनुमोदन से पूर्व निर्गमन तो लाभांश	

© The Institute of Chartered Accountants of India

			आर्थिक चिट्ठा की तिथि पर दायित्व के रूप में मान्यता नहीं दी जायेगी, क्योंकि अगर कोई अन्य वैधानिक दायित्व उत्पन्न नहीं होता तो कोई भी दायित्व अस्तित्व नहीं रखता है। इस लाभांश को टिप्पणी में दिखाया जाएगा।	
	14	वित्तीय विवरणों के अन्तर्गत आने वाली अवधि के सम्बन्ध में उल्लेखित लाभांश, जो उपक्रम द्वारा चिट्ठा तिथि के पश्चात् प्रस्तावित या घोषित किये जाते हैं। लेकिन जो वित्तीय विवरणों की स्वीकृत से पूर्व प्रस्तावित या घोषित हुए हैं, समायोजित किये जाने चाहिये।	अगर कोई उपक्रम अंशधारियों को लाभांश की घोषणा आर्थिक चिट्ठा की तिथि के बाद करती है, तब उपक्रम को लाभांश को आर्थिक चिट्ठा की तारीख पर दायित्व के रूप में मान्यता नहीं देनी चाहिये। जब तक कोई वैधानिक नियम की जरूरत न हो। ऐसे लाभांश को टिप्पणी में प्रदर्शित किया जाये।	अब प्रस्तावित लाभांश का कोई दायित्व उत्पन्न नहीं होगा। इस प्रस्तावित लाभांश को टिप्पणी में दिखाया जायेगा
लेखा मानक -14	3(a)	एकीकरण का मतलब कम्पनी अधिनियम, 1956 या किसी अन्य विधान जो कम्पनी पर लागू हो सके, के प्रावधानों के अनुसार एकीकरण	एकीकरण का मतलब कम्पनी अधिनियम, 2013 या किसी अन्य विधान जो कम्पनी पर लागू हो सके, के प्रावधानों के अनुसार एकीकरण में विलय को सम्मिलित करते हुये।	विशेष रूप से विलय को शामिल करके एकीकरण की परिभाषा

© The Institute of Chartered Accountants of India

				को अधिक विस्तृत कर दिया गया है।
	18 एवं 39	वैधानिक संचयों का अभिलेखन हस्तान्तरी कम्पनी के लेखा पुस्तकों में किया जाना चाहिये। इस प्रकार उन विधानों की अनुपालना होती है। ऐसे मामलों में वैधानिक संचयों का अभिलेखन हस्तान्तरी कम्पनी के वित्तीय विवरणों में उसके समक्ष देनदारी किसी लेखा शीर्षक (उदाहरण – एकीकरण शोधन खाता) में किया जाता है, जिसका प्रकटीकरण विविध व्यय या अन्य कोई समान श्रेणी में आर्थिक चिट्ठे में किया जाता है। जब वैधानिक संचय की पहचान को बनाए रखे रहने की आवश्यकता नहीं रहती है तो दोनों संचय तथा उपरोक्त खाते को उल्टा कर दिया जाता है।	ऐसी परिस्थितियों में वैधानिक संचय का अभिलेखन हस्तान्तरी कम्पनी के वित्तीय विवरण पत्रों में सम्बन्धित डेबिट को उचित लेखांकन शीर्षक शीर्षक में (जैसे एकीकरण समायोजन संचय) को एक अलग लाइन में दिखाना चाहिए। जब लम्बी अवधि में दोनों संचयों के पहचान बनाये रखने की आवश्यकता नहीं होती है तो दोनों संचय तथा उपरोक्त खाते को उल्टा कर दिया जाता है।	यदि संविलयन क्रय के रूप में हो तो वैधानिक संचय के समवर्ती खाता संविलयन समायोजन खातों को डेबिट करना चाहिये, जिसको अलग से दिखाना चाहिये। कम्पनी अधिनियम, 2013 की अनुसूची– III में 'विविध व्यय' का उपशीर्षक नहीं है।
लेखा मानक-29	35 (एक सारांश)	प्रावधान की राशि की उसके वर्तमान मूल्य पर कटौती नहीं होनी चाहिए।	प्रावधान की राशि की उसके वर्तमान मूल्य पर कटौती नहीं होनी चाहिये, सिवाय उनके जो बन्द होने वाली, पुनः वापसी अन्य दायित्वों को सम्पत्ति, प्लाण्ट एवं	वर्तमान में कटौती प्रावधान बन्द होने वाली, वापसी

© The Institute of Chartered Accountants of India

			संयन्त्र की मान्यता है। कटौती दर (या दरें) पूर्व कर दर या दरें होनी चाहिये जो दायित्व से जुड़े जोखिम तथा मुद्रा के समय मूल्य के वर्तमान बाजार अनुमान को दर्शाये। कटौती दर को नहीं दर्शाना चाहिए, जोखिम जिसके लिये अनुमानित भविष्य रोकड़ प्रवाह को समायोजित किया गया है। कटौती के आवधिक तनाव को लाभ हानि विवरण में मान्यता दी जाये।	योग्य तथा इसी प्रकार के दायित्व के लिये दिये गये पूर्व कर कटौती दर के अनुसार किया जायेगा।
	73		सम कालीन प्रावधान Decommissioning restoration and similar दायित्व वाले वर्तमान अस्तित्व वाले प्रावधानों को चालू नहीं रखना चाहिये सम्बन्धित सम्पत्तियों के मदों, प्लाण्ट एवं संयन्त्र के अनुसार	अस्तित्व वाले प्रावधानों तथा सामान्य दायित्व को चालू नही रखना चाहिए सम्बन्धित सम्पत्तियों के मदों प्लाण्ट एवं संयन्त्र के अनुसार

© The Institute of Chartered Accountants of India

(iii) वैधानिक तरलता अनुपात (SLR) का अनुरक्षण

रिजर्व बैंक ने अपनी शक्तियों को उपयोग करते हुए बैकिंग अधिनियम, 1949 (10 of 1949) की धारा 24 की उपधारा (2A) जिसको धारा 51 एवं धारा 56 के साथ देखा जाये तथा आंशिक परिवर्तन अधिसूचित DBR No. Ret. BC. 63/12.01.001/2015-16 दिसम्बर 10, 2015 द्वारा स्पष्ट किया गया है।

(i) नीचे दी गई तिथियों से अनुसूचित व्यापारिक बैंकों, स्थानीय क्षेत्र के बैंकों, प्राथमिक (शहरी) सहकारी बैंकों, राज्य के सहकारी तथा केन्द्रीय सहकारी बैंकों के भारत में सम्पत्ति रख रखाव (जिसको वैधानिक तरलता अनुपात SLR सम्पत्ति कहा जायेगा) जिसका मूल्य व्यापार के बन्द होने पर या किसी भी दिन इनसे कम नहीं होगा –

(अ) 20.75 प्रतिशत 1 अक्टूबर, 2016 से तथा

(ब) 20.50 प्रतिशत 7 जनवरी, 2017 से

यह कुल शुद्ध मांग एवं समय दायित्व भारत के पिछले शुक्रवार के द्वितीय पखवारे से रिजर्व बैंक द्वारा समय समय पर निर्धारित मूल्यांकन विधि से लागू होगा।

(ii) ऐसी SLR सम्पत्तियाँ निम्न द्वारा रखी जाती हैं –

(अ) अनुसूचित व्यापारिक बैंक तथा स्थानीय क्षेत्र के बैंक द्वारा निम्न रूप में :–

(ब) सोने के रूप में जो बैंकिंग अधिनियम, 1949 की धारा 5(g) में परिभाषित है। मूल्यांकन उस मूल्य पर जो वर्तमान बाजार मूल्य से अधिक न हो।

(स) भारयुक्त विनियोग के रूप में जो कि निम्न किसी instrument में हो [बाद में जो वैधानिक तरलता अनुपात प्रतिभूतियाँ (SLR प्रतिभूतियाँ)] कहलाती हैं।

(1) समय समय पर भारतीय सरकार द्वारा dated securities जो बाजार उधार कार्यक्रम तथा बाजार स्थायीकरण योजना के अन्तर्गत हो या

(2) भारतीय सरकार के ट्रेजरी बिल या

(3) समय समय पर राज्य सरकार द्वारा निर्गमित किये जाने वाले राज्य विकास ऋण (SDLs) जो बाजार उधार कार्यक्रम (market borrowing programme) के अन्तर्गत हो।

(द) बैंकिंग रेगुलेशन अधिनियम, 1949 (100/1949) की धारा 11 की उपधारा 2 के अन्तर्गत प्रयोग होने वाले तथा भारयुक्त स्वीकृत प्रतिभूतियाँ को रिजर्व बैंक के साथ बनाया जाना चाहिए, भारत के बाहर समायोजित बैंकिंग कम्पनी के द्वारा

(य) रिजर्व बैंक के साथ किसी भी अनुसूचित बैंक द्वारा अनुरक्षित किया गया शेष जो रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 (2 of 1934) के धारा 42 की अन्तर्गत अनुरक्षित किये जाने वाले शेष से अधिक हो। बशर्ते कि ऊपर दी गई मद (1) से (3) तक में परिभाषित instrument जो रिजर्व बैंक के

© The Institute of Chartered Accountants of India

संचित रैपो में प्राप्त हो। 2 अक्टूबर, 2016 तक SLR सम्पत्ति के अनुरक्षण के लिये वैधानिक वरलता अनुपात प्रतिभूतियों में शामिल नहीं करेगी।

(iv) रोकड़ संचय अनुपात (CRR) का अनुरक्षण

भारतीय रिजर्व बैंक ने सूचियत व्यापारिक बैंकों के रोकड़ संचय अनुपात (CRR) को 25 बिन्दु से कम करने का निर्णय लिया, जो कि **शुद्ध मांग एवं समय दायित्व का 4.25 प्रतिशत से 4 प्रतिशत होगा** जो विज्ञप्ति सं. DBOD No. Ret BC.76/12.10.2001/2012-13 दिनांक 29 जनवरी, 2013 द्वारा 9 फरवरी, 2013 को शुरू होने वाले पखवारे से प्रभावी होगा। स्थानीय क्षेत्र के बैंक भी अपनी शुद्ध मांग एवं समय दायित्व का 3% रोकड़ संचय अनुपात दिनांक 8 फरवरी, 2013 तक एवं 9 फरवरी, 2013 से शुरू होने वाले पखवारे से अपनी शुद्ध मांग एवं दायित्व का 4 प्रतिशत बनाये रखने का निर्वाहन करेंगे।

(ब) मई, 2017 की परीक्षा में लागू न होने वाले

निश्चित वर्ग की कम्पनी की अनुपालन के लिये कम्पनी मामलों के मंत्रालय ने 16 फरवरी, 2015 को जो अधिसूचना कम्पनी (भारतीय लेखा मानक) नियम, 2015 में सूचियत की है, इसलिये Ind लेखा मानक मई, 2017 की परीक्षा में लागू नहीं होंगे।

© The Institute of Chartered Accountants of India

इण्टरमीडिएट (आई.पी.सी.) परीक्षा मई 2017

भाग – II : - प्रश्न एवं उत्तर

साझेदारी खाते

साझेदारी फर्मों का विघटन

(1) एल, एम एवं एन क्रमशः 3:2:1 के लाभ हानि अनुपात में साझेदार हैं। साझेदारों ने 31.3.2016 को फर्म के विघटन का निर्णय किया। जब फर्म का चिट्ठा निम्न प्रकार थाः

31.3.2016 को फर्म का आर्थिक चिट्ठा

दायित्व	रू.	रू.	सम्पत्तियाँ	रू.
विविध लेनदार	–	4,25,250	प्लाण्ट एवं मशीनरी	7,97,850
बैंक अधिविकर्ष		4,54,837	फर्नीचर	48,487
संयुक्त जीवन बीमा पालिसी			रहतिया	1,77,525
संचय		1,99,125	विविध देनदार	4,00,500
मिसेस एल से ऋण		1,12,500	संयुक्त जीवन पालिसी	1,99,125
पूँजी खाता :			प्राप्य कमीशन	1,05,413
एल	3,15,000		हस्तस्थ रोकड़	36,562
एम	1,68,750			
एन	90,000	5,73,750		
		17,65,462		17,65,462

विघटन के लिये महत्वपूर्ण विवरण निम्नलिखित हैः

(i) संयुक्त जीवन बीमा पालिसी का समर्पण मूल्य 1,74,375 रू.।

(ii) एल ने प्लाण्ट एवं मशीनरी को 6,75,000 रू. में लिया।

(iii) मिसेस एल का ऋण एवं बैंक अधिविकर्ष को एल भुगतान करने के लिये सहमत हो गया।

(iv) फर्नीचर एवं रहतिया को एल एवं एम बराबर बराबर बाँटने के लिये सहमत हो गये, जिसका मूल्यांकन 2,70,000 रूपया में किया गया है।

(v) देनदारों ने लेनदारों के पूर्ण भुगतान की सहमति प्रदान की।

(vi) प्राप्य कमीशन समय पर प्राप्त हो गया था।

(vii) अनादृत होने के कारण कटौती बिल जो वापस हो गया था, जिसका मूल्य 23,062 रूपया था जिसको मूल्य हीन कर दिया गया था (375 रू. नोटिंग चार्ज शामिल)।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(viii) एल ने विघटन व्यय 13,500 रू. का भुगतान किया।

आपको बनाने की आवष्यकता हैः

(i) वसूली खाता

(ii) साझेदारों का पूँजी खाता

(iii) रोकड़ खाता

साझेदारी फर्मों का एकीकरण

(2) मान एव हैलो साझेदारी फर्म भल्ला एण्ड कम्पनी में 3:2 लाभ हानि के अनुपात में साझेदार हैं। साझेदारी फर्म चाँद एण्ड कम्पनी में हैलो एवं प्राउड 5:3 लाभ हानि के अनुपात में साझेदार है। 30 मार्च, 2016 को दोनों फर्मों ने फर्मों के एकीकरण का निश्चय कर नई फर्म चाँद भल्ला एण्ड कम्पनी बनाने का निर्णय लिया, जिसमें मान, हैलो एवं प्राउड क्रमशः 4:5:1 लाभ हानि के अनुपात में साझेदार होंगे।

31.3.2016 को आर्थिक चिट्ठा

दायित्व	भल्ला एण्ड कम्पनी	चाँद एण्ड कम्पनी	सम्पत्तियाँ	भल्ला एण्ड कम्पनी	चाँद एण्ड कम्पनी
पूँजी :			हस्तस्थ / बैंक	2,40,000	1,80,000
मान	9,00,000	–	देनदार	3,60,000	4,80,000
हैलो	6,00,000	4,50,000	रहतिया	3,00,000	1,20,000
प्राउड	–	3,00,000	वाहन	–	5,40,000
			मशीनरी	7,20,000	–
संचय	3,00,000	2,40,000	भवन	9,00,000	–
लेनदार	7,20,000	3,30,000			
	25,20,000	13,20,000		25,20,000	13,20,000

एकीकरण की निम्नलिखित शर्तें थीं:

(i) भल्ला एण्ड कम्पनी के ख्याति का मूल्यांकन 4,50,000 रू. में किया गया। चाँद एण्ड कम्पनी की ख्याति का मूल्यांकन 2,40,000 किया गया। नई फर्म की पुस्तकों में ख्याति खाता नहीं खोला जायेगा लेकिन साझेदारों के पूँजी खातों में समायोजित किया जायेगा।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii) भवन, मशीनरी एवं वाहन को क्रमशः 12,00,000 रूपया, 6,00,000 रूपया एवं 4,44,000 रू. में लिया गया।

(iii) संदिग्ध ऋणों के लिये भल्ला एण्ड कम्पनी में 30,000 रूपया तथा चाँद एण्ड कम्पनी में 24,000 रू. प्रदान किया गया।

आपको आवश्यकता है:

(i) ख्याति के मूल्य को साझेदारों में किस प्रकार समायोजित किया जायेगा।

(ii) हैलो की पूँजी को आधार मानते हुये साझेदारों के लाभ हानि अनुपात के आधार पर साझेदारों की पूँजी दिखाते हुये, 31.3.2016 को चाँद भल्ला एण्ड कम्पनी का आर्थिक चिट्ठा बनाइये। आधिक्य एवं कमी को साझेदारों के चालू खाते में दिखाइये।

साझेदारी फर्म का कम्पनी में परिवर्तन

(3) अरूण एवं वरूण का समान लाभ हानि अनुपात है। 31 दिसम्बर, 2016 को फर्म को एक लिमिटेड कम्पनी में परिवर्तन करने का निर्णय लिया। जब उनका चिट्ठा निम्न प्रकार था:

दायित्व	रू.	रू.	सम्पत्तियाँ	रू.
विविध लेनदार	—	96,000	विविध देनदार	1,20,000
ऋण लेनदार		80,000	प्राप्य बिल	20,000
बैंक अधिविकर्ष		32,000	व्यापार में रहतिया	72,000
संचय कोष		12,000	एकस्व	16,000
पूँजी खाता :			प्लाण्ट एण्ड मशीनरी	32,000
अरूण	80,000		भूमि एवं भवन	1,20,000
वरूण	80,000			
		1,60,000		
		3,80,000		3,80,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

(अ) पिछले तीन वर्षों के लाभों के आधार पर दो वर्षों के क्रय मूल्य पर फर्म की ख्याति का मूल्यांकन किया जायेगा।

(ब) ऋण लेनदार अपने दावों के भुगतान में 7½% शोधनीय पूर्वाधिकार अंश लेने को तैयार हो गये।

(स) भूमि एवं भवन तथा प्लाण्ट एवं मशीनरी का मूल्यांकन क्रमशः 2,00,000 रू. एवं 48,000 रू. में किया गया।

(द) विक्रेताओं को 2,10,000 मूल्य के अंशों का आवंटन किया गया।

(य) पिछले वर्षों के लाभ के अनुसार वर्ष 2014 में 60,000 रू., 2015 में लाभ 72,000 एवं 2016 में लाभ 84,000 रूपया। 4,000 रू. प्रति वर्ष संचय कोष में अलग रखने के बाद।

आपको फर्म की पुस्तकों में वसूली खाता एवं साझेदारों का पूँजी खाता यह मानते हुये बनाना है कि लेनदेन नियमानुसार पूर्ण हो गये हैं।

सीमित दायित्व साझेदारी (LLP)

(4) सीमित दायित्व साझेदारी एवं इनके साझेदारों के दायित्वों की सीमाओं की व्याख्या कीजिये।

कर्मचारी स्टॉक विकल्प योजना

(5) प्रथम वर्ष के प्रारम्भ में एक उपक्रम ने अपने एक वरिष्ठ अधिकारी को 10,000 स्टॉक विकल्प स्वीकृत किया। शर्त यह थी कि वरिष्ठ अधिकारी तीसरे वर्ष के अन्त तक सेवा में रहेगा। जिसका विकल्प मूल्य 40 रू. है। तथापि विकल्प मूल्य 30 रू. तक गिर जायेगा। यदि उपक्रम की आय कम से कम 10% प्रति वर्ष की औसत से तीन वर्ष के अंदर बढ़ जाये।

तीन वर्ष की अवधि में स्वीकृत तिथि पर उपक्रम अनुमानित करता है कि स्टॉक विकल्प योजना का उचित मूल्य 16 रूपया प्रति विकल्प होगा। 30 रूपया विकल्प मूल्य के साथ। यदि विकल्प मूल्य 40 है तो उपक्रम अनुमान करता है कि स्टॉक विकल्प की उचित मूल्य 12 प्रति विकल्प है। पहले साल के दौरान उपक्रम ने ये अनुमान लगाया कि आय 12 प्रतिशत की दर से बढ़ेगी तथा आने वाले दो वर्षो में उसकी आय इसी दर से बढ़ेगी। उपक्रम ने इसलिये यह अनुमान लगाया कि उसकी आय लक्ष्य पूरे हो जायेंगे तथा इसलिये स्टॉक विकल्प का विकल्प मूल्य 30 रूपया होगा। दूसरे वर्ष के दौरान उपक्रम की आय 13% से बढ़ी तथा उपक्रम यही अनुमान करती रही कि उसका आय का लक्ष्य पूरा हो जायेगा।

तीसरे वर्ष के दौरान उपक्रम की आय सिर्फ 3% से बढ़ी तथा इसलिये आय लक्ष्य पूरा नहीं हो सका। अधिकारी ने तीन वर्ष की सेवा पूरी की तथा इसलिये उसने सेवा शर्तों को पूरा किया।

चूंकि आय का लक्ष्य पूरा नहीं हो सका, 10,000 स्वामित्व रहतिया विकल्प का अभ्यास मूल्य 40 रूपया होगा। प्रति वर्ष लाभ हानि खाते में दिखाई जाने वाली क्षतिपूर्ति व्यय की गणना कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रतिभूतियों की पुनः वापसी

(6) 31 मार्च, 2016 को मुक्ता लि0 का आर्थिक चिट्ठा निम्न था।

समता एवं दायित्व	रू. लाख में	सम्पत्तियाँ	रू. लाख में
अधिकृत पूँजी :		स्थाई सम्पत्तियाँ	1,12,000
समता अंश 10 रू. प्रति अंश	80,000	विनियोग	24,000
		बैंक में रोकड़	13,200
निर्गमित पूँजी :		व्यापारिक प्राप्य	66,000
पूर्णदत्त समता अंश 10 रू. प्रति अंश	64,000		
पूर्णदत्त शोधनीय 10% पूर्वाधिकारअंश प्रतिअंश 10 रू.	20,000		
संचय एवं आधिक्य			
पूँजी शोधन संचय	8,000		
प्रतिभूति प्रीमियम	6,400		
सामान्य संचय	48,000		
लाभ हानि खाता	2,400		
9% ऋणपत्र	40,000		
व्यापारिक देय	26,400		
	2,15,200		2,15,200

1 अप्रैल, 2016 को कम्पनी ने समस्त पूर्वाधिकार अंशों का शोधन 10% प्रीमियम पर कर दिया एवं 25% समता अंशों को 20 रू. प्रति अंश के दर से पुनः क्रय किया। इस क्रम में रोकड़ प्राप्ति के लिये कम्पनी ने समस्त विनियोगों को 25,200 लाख रू. में बेच दिया एवं कम्पनी ने प्लाण्ट की बंधक ग्रहिता पर 16,000 रू. का एक बैंक ऋण लिया।

कम्पनी के पार्षद अर्न्तनियमों के आधार पर पुनः क्रय के सम्बन्ध में आवश्यक जर्नल लेखे कीजिये तथा कम्पनी द्वारा आवश्यक प्रस्ताव पास किया है। कानून द्वारा निर्धारित प्रतिभूति प्रीमियम उपभोग की अधिकतम राशि क्या होगी।

प्रतिभूतियों का अभिगोपन

(7) अमन लि0 ने जनता को 16,000, 10% ऋणपत्र जो प्रति 100 रू. वाले हैं, 2% छूट पर निर्गमित किये, जिसका भुगतान 50 रू. आवेदन पत्र तथा शेष राशि आवंटन पर भुगतान करनी है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

निर्गमित ऋणपत्रों के अंकित मूल्य पर 1% कमीशन के आधार पर मिस्टर एक्स (अभिगोपन) ने ऋणपत्रों का अभिगोपन किया। समस्त निर्गमन जनता के सदस्यों द्वारा अभिदत्त हो गया। कम्पनी ने अभिगोपन कमीशन का भुगतान अपने 10% ऋणपत्र 100 रू. वाले सममूल्य पर निर्गमित कर किया। उपरोक्त के सम्बन्ध में जर्नल लेखे कीजिये एवं अमन लि0 का आर्थिक चिट्ठा बनाइये।

ऋणपत्रों का शोधन

(8) समस्त राशि आवेदन के साथ प्राप्त करते हुये 1 जनवरी, 2006 को रमन लि0 ने 20,000, 9% ऋणपत्र 100 रू. वाले का आवंटन किया था।

(i) कम्पनी ने अपने 2,000 ऋणपत्रों को 1 जनवरी, 2008 में प्रति ऋणपत्र 101 रू. की दर से बाजार से क्रय कर तुरन्त निरस्त कर दिया।

(ii) 1 जनवरी, 2011 को कम्पनी ने 6,00,000 रू. के ऋणपत्रों के एक लाट (समूह) का शोधन सममूल्य पर किया था।

(iii) 1 जनवरी, 2012 को कम्पनी ने 4,00,000 रू. अंकित मूल्य वाले ऋणपत्रों को खुले बाजार से 3,95,600 रू. में क्रय किये तथा उसको एक वर्ष तक विनियोग करने के बाद निरस्त कर दिया था।

(iv) संचालकों के बोर्ड के प्रस्ताव निर्णय के आधार पर शेष ऋणपत्रों का कम्पनी ने 1 जनवरी, 2016 को 2% प्रीमियम पर शोधन किया गया। जब प्रतिभूति प्रीमियम खाते में 60,000 रू. का शेष दिखाया था।

ऋणपत्र शोधन संचय, ऋणपत्र ब्याज, तथा स्वयं के ऋणपत्रों पर ब्याज को नजर अंदाज करते हुये उपरोक्त के सम्बन्ध में आवश्यक जर्नल लेखे कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

कम्पनियों का एकीकरण

(9) 01.04.2016 को पी लि0 एवं क्यू लि0 ने एकीकरण का निर्णय लिया। 31.03.2016 को संक्षिप्त आर्थिक चिट्ठा निम्न प्रकार थाः

(in'000)

विवरण	पी0 लि0	क्यू0 लि0
कोष का स्त्रोतः		
समता अंश पूँजी (10 रू. प्रति)	300	280
9% पूर्वाधिकार अंश पूँजी (100रू. प्रति)	60	40
विनियोग भत्ता संचय	10	4
लाभ हानि खाता	8	12
10% ऋणपत्र	100	60
व्यापारिक देय	50	30
कर प्रावधान	14	8
प्रस्तावित समता लाभांश	60	56
योग	602	490
कोष का प्रयोग :		
भवन	120	100
प्लाण्ट एवं मशीनरी	160	140
विनियोग	80	50
व्यापारिक प्राप्य	90	70
स्कन्ध	72	80
रोकड़ एवं बैंक	80	50
योग	602	490

आप उपरोक्त सूचनाओं के आधार पर नई कम्पनी आर लि0 की पुस्तकों में 01.04.2016 को आर्थिक चिट्ठा बनाइये जो दोनों कम्पनियों का व्यापार एवं सभी सम्पत्तियों एवं दायित्वों को लेगी।

(i) 5% ऋणपत्रों को नई कम्पनी के समता अंशों में परिवर्तन किया गया।

(ii) विनियोग गैर चालू प्रकृति का है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

(iii) पी लि0 की स्थायी सम्पत्तियों का मूल्य उपरोक्त मूल्य से 10% अधिक पर मूल्यांकित किया जायेगा तथा क्यू लि0 की 5% अधिक लागत पर किया जायेगा।

(iv) 10% व्यापारिक प्राप्य दोनों कम्पनियों में संदिग्ध थे। स्कन्ध को लागत पर आगे ले जायेंगे।

(v) पूर्वाधिकार अंशधारियों को निपटारा सममूल्य पर 9% पूर्वाधिकारी अंश समान संख्या में निर्गमित अंशों से किया जायेगा।

(vi) दोनों हस्तान्तरण कम्पनी के समता अंशधारियों को निपटारा नई कम्पनी के 10 रू. प्रति वाले समता अंश जो 5% प्रीमियम पर निर्गमित कर किया जायेगा।

क्रय के स्वभाव के आधार पर एकीकरण के सम्बन्ध में आप अपने उत्तर दीजिये।

कम्पनी का आंतरिक पुर्ननिर्माण

10. 31.03.2016 को लायन लिमिटेड का चिट्ठा निम्न प्रकार हैः

विवरण	नोट संख्या	राशि (लाख में)
समता एवं दायित्व		
अंशधारियों का कोष		
अंश पूँजी	1	1,400
संचय एवं आधिक्य	2	(522)
गैर–चालू दायित्व		
दीर्घकालीन उधार	3	700
चालू दायित्व		
व्यापारिक देय	4	102
अन्य दायित्व	5	24
योग		1704
सम्पत्तियाँ		
गैर–चालू सम्पत्तियाँ		
स्थायी सम्पत्तियाँ		
दृश्य सम्पत्तियाँ	6	750
चालू सम्पत्तियाँ		
चालू विनियोग	7	200
स्कन्ध	8	300
व्यापारिक प्राप्य	9	450
रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य	10	4
योग		1704

© The Institute of Chartered Accountants of India

खातों पर टिप्पणियाँ

विवरण	लाख में
(1) अंश पूँजी	
अधिकृत :	
200 लाख अंश 10 रू. प्रति अंश	2000
8 लाख 8% पूर्वाधिकार अंश 100 रू. प्रति अंश	800
योग	2800
निर्गमित, प्रार्थित एवं चुकता पूँजी	
100 लाख समता अंश 10 रू. वाले पूर्ण प्रदत्त	1000
4 लाख 8% पूर्वाधिकार 100 रू. प्रति पूर्णदत्त अंश	400
योग	1400
(2) संचय एवं आधिक्य :	
लाभ हानि खाते का डेबिट शेष	(522)
(3) दीर्घकालीन उधार :	
6% ऋणपत्र (स्वकीय सम्पत्ति द्वारा सुरक्षित)	400
संचालकों का ऋण	300
योग	700
(4) व्यापारिक देय :	
माल के लिये व्यापारिक देय	102
(5) अन्य चालू दायित्व :	
उपार्जित ब्याज एवं 6% ऋणपत्र पर देय	24
(6) दृष्य सम्पत्तियाँ :	
स्वकीय सम्पत्तियाँ	550
प्लाण्ट एण्ड मशीनरी	200
योग	750
(7) चालू विनियोगः	
समता प्रपत्रों में विनियोग	200
(8) स्कन्धः	
निर्मित माल	300
(9) व्यापारिक प्राप्य :	
माल के लिये व्यापारिक प्राप्य	450
(10) रोकड़ एवं रोकड़ सदृष्य	
बैंक के साथ शेष	4

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

कम्पनी के संचालकों ने अंशधारियों की सहमति से निम्नलिखित पुनर्निर्माण की योजना बनाई है:

(1) पूर्वाधिकार अंशों को प्रति अंश 80 रू. तक तथा समता अंशों को 2 रू. तक कम किया जायेगा।

(2) पूर्वाधिकार अंशधारियों का बकाया 3 वर्षों के लाभांश का 2/3 हिस्सा समाप्त किया जायेगा तथा शेष 1/3 के लिये 2 रू. वाले समता अंश आवंटित किये।

(3) ऋणपत्रधारियों ने अपने आंशिक भुगतान में 300 लाख रू. पुस्तक मूल्य की एक स्वकीय सम्पत्ति को स्वीकार करने की सहमति दी तथा ऋणपत्रधारियों की शेष राशि को कम्पनी के दायित्व में दिखाया जायेगा।

(4) ऋणपत्र पर उपार्जित एवं देय ब्याज नकद में भुगतान किया जायेगा।

(5) शेष स्वकीय सम्पत्ति का मूल्यांकन 400 लाख रू. में किया गया।

(6) समस्त विनियोग का विक्रय 250 लाख रू. में किया गया।

(7) 70% संचालकों के ऋण को समाप्त किया गया एवं शेष के लिये 2 रू. वाले प्रति समता अंशों को स्वीकृत किया गया।

(8) 40% व्यापारिक प्राप्य एवं 80% स्कन्ध को अपलिखित किया गया।

(9) कम्पनी के एक प्रसंविदा समझौता जो 600 लाख रू. का था उसको ठेका मूल्य के 5% जुर्माना देकर निपटारा किया गया।

आपसे अपेक्षित है:

(अ) आन्तरिक पुनर्निर्माण के सम्बन्ध में सभी लेनदनों के लिये जर्नल प्रविष्टियाँ कीजिये।

(ब) पुनर्निर्माण खाता बनाइये।

(स) आन्तरिक पुनर्निर्माण योजना लागू होने के तुरन्त बाद के आर्थिक चिट्ठे में अंश पूँजी एवं दृश्य सम्पत्तियों के लिये टिप्पणी बनाइये।

कम्पनी का समापन

(11) 31.3.2016 को ओम लि0 का आर्थिक चिट्ठा नीचे दिया है:

दायित्व	राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
अंश पूँजी :		स्थायी सम्पत्तियाँ :	
14% 1,60,000 संचयी		भूमि	1,60,000
पूर्वाधिकार अंश 100 रू. प्रति अंश		भवन	6,40,000
पूर्ण प्रदत्त	16,00,000	प्लाण्ट एवं मशीनरी	21,60,000
32000 समता अंश 100 रू. प्रति,		पेटेण्ट	1,60,000
60 रू. प्रति अंश चुकता	19,20,000	विनियोग	Nil

© The Institute of Chartered Accountants of India

संचय एवं आधिक्य	NIL	चालू सम्पत्तियाँ :	
सुरक्षित ऋण :		स्कन्ध की लागत	4,00,000
14% ऋणपत्र	9,20,000	विविध देनदार	9,20,000
(समस्त सम्पत्तियों पर फ्लोटिंग चार्ज)।	—	बैंक में रोकड़	2,40,000
उपरोक्त ऋणपत्र पर उपार्जित ब्याज	1,28,800	लाभ हानि खाता	9,60,000
(ये सभी उपरोक्त पर फ्लोटिंग चार्ज रखते हैं)	—		
भूमि एवं भवन के प्रतिभूति पर ऋण	6,00,000		
असुरक्षित ऋण	NIL		
चालू दायित्व			
व्यापारिक देय	4,71,200		
	56,40,000		56,40,000

31.3.2016 को कम्पनी का ऐच्छिक समापन के लिये गई। 14% पूर्वाधिकार अंशधारियों का एक वर्ष का लाभांश बकाया है। विविध लेनदार में 1,20,000 रूपया के पूर्वाधिकार लेनदार शामिल हैं।

सम्पत्तियों से निम्न राशियाँ वसूल हुई। :

भूमि 3,20,000 रूपया, भवन 8,00,000 रूपया, प्लाण्ट एवं मशीनरी 20,00,000 रूपया, पेटेण्ट 2,00,000 रूपया, स्कन्ध 6,40,000 रूपया, विविध देनदार 8,00,000 रू. वसूल हुये।

समापन का व्यय 1,17,736 रू. है। निस्तारक को समस्त वसूल की गई सम्पत्ति (बैंक में रोकड़ को छोड़कर) पर 2% कमीशन दिया जायेगा एवं पूर्वाधिकार लेनदारों के अतिरिक्त अन्य असुरक्षित लेनदारों की राशि पर 2% कमीशन दिया जायेगा। समस्त भुगतान 30 जून, 2016 में कर दिये गये। भुगतान के समय बंधक पर ब्याज को नजर अंदाज कर दिया गया।

निस्तारक का अन्तिम विवरण पत्र तैयार कीजिये।

बीमा कम्पनियों के वित्तीय खाते

(12) 31 मार्च, 2016 को एक्सटा इन्श्योरेंस कम्पनी लिमिटेड की निम्नलिखित सूचनायें हैं, जो अग्मि बीमा व्यवसाय में कार्यरत है। 7,00,000 के अतिरिक्त संचय एवं शुद्ध प्रीमियम का 40% असमाप्त जोखिम के लिये संचय बनाते हुये आगम खाता बनाइये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

विवरण	राशि
31 मार्च, 2015 को असमाप्त जोखिम के लिए संचय	15,00,000
31 मार्च, 2015 को अतिरिक्त संचय	3,00,000
दावे का भुगतान	19,20,000
31 मार्च, 2015 को अनुमानित दायित्व अदत्त दावे के संबंध में	1,95,000
31 मार्च, 2016 अनुमानित दायित्व अदत्त दायत्वि के संबंध में	2,70,000
प्रबन्ध के व्यय (दावे के सम्बन्ध में 90,000 रू. को शामिल करते हुए)	8,40,000
पुर्नबीमा प्रीमियम भुगतान	2,25,000
पुर्नबीमा प्रीमियम वसूली	60,000
प्रीमियम	33,60,000
ब्याज एवं लाभांश (कर कटौती पूर्व सकल)	1,50,000
विनियोग के विक्रय पर लाभ	30,000
कमीशन	3,50,000

बैंकिंग कम्पनियाँ

(13) 31 मार्च, 2016 को जीवन बैंक लिमिटेड में तलपट का संक्षिप्त विवरण निम्न था:

1.4.2015 को भुनाये हुये बिलों पर कटौती 1,36,518 (क्रेडिट)

छूट प्राप्त 3,40,312 (क्रेडिट)

भुनाये हुये विपत्र का विश्लेषण निम्न प्रकार है:

राशि	देय तिथि
5,60,000	1 जून, 2016
17,44,000	8 जून, 2016
11,28,000	21 जून, 2016
16,24,000	1 जुलाई, 2016
12,00,000	5 जुलाई, 2016

31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के अंत में लाभ हानि खाते में छूट की राशि जो क्रेडिट होनी है। उस राशि की गणना कीजिये एवं जर्नल लेखे कीजिए। कटौती की दर को 10% प्रतिवर्ष लेते हुए।

© The Institute of Chartered Accountants of India

विभागीय खाते

(14) रामा लि0 एक फुटकर संगठन है, जिसके अनेक विभाग हैं। प्रत्येक विभाग को आपूर्ति किये जाने वाले माल के लागत मूल्य में एक निश्चित प्रतिशत जोड़कर सामान्य बिक्री मूल्य तक लाने हेतु मार्कअप को स्मरणार्थ विभागीय खातें में ''मार्क अप खाते'' में क्रेडिट किया जाता है।

बिक्री मूल्य में कोई भी कटौती का समायोजन स्टॉक खाते तथा मार्क अप खाते में अपेक्षित है। विभाग हेतु तीन वर्षों का मार्कअप 40% रहा। 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये विभाग A से सम्बन्धित आंकड़े निम्न प्रकार हैः

1 अप्रैल 2015 को लागत मूल्य पर रहतिया का मूल्य 2,40,000 रू.; लागत मूल्य पर क्रय 5,40,000 रू. तथा बिक्री 9,60,000 रू. थी।

आगे निश्चय किया गया कि :

(अ) इस अवधि में खरीदा गया माल 48,000 रू. के लागत मूल्य में से 4,200 रू. मूल्य का कम किया जाये। कम मूल्य का रहतिया जिसका लागत मूल्य 12,000 रू. है, 31 मार्च, 2016 को बिना बिका हुआ था।

(ब) वर्ष के अन्त में स्कन्ध की कमी जिसका लागत मूल्य 3,600 रू. था, को अपलिखित कर दिया गया।

(स) 1 अप्रैल, 2015 को स्कन्ध जिसमें 24,600 लागत का माल शामिल है। वर्ष के दौरान बेचा गया तथा शेष स्टॉक जिसका बिक्री मूल्य 2,220 रू. कम करके वर्ष के दौरान बेचा गया।

(द) विभागीय अन्तिम रहतिया का मूल्यांकन लागत मूल्य पर बशर्ते अधिक मूल्य एवं कम मूल्य निर्धारण हेतु समायोजन।

आपको बनाना है :

(i) विभागीय व्यापार खाता

(ii) स्मरणार्थ रहतिया खाता

(iii) वर्ष 2015–16 के लिये स्मरणार्थ खाता

शाखा खाते

(15) एल लि0 जिसका मुख्य कार्यालय मुम्बई में है तथा दो शाखायें पूना एवं गोवा में हैं। शाखायें माल स्वतंत्र रूप से खरीदती हैं। पूना शाखा माल का विक्रय लागत में 33⅓% लाभ जोड़कर करती है, जबकि गोवा शाखा बिक्री मूल्य पर 20% लाभ जोड़ती है। एक शाखा से दूसरे शाखा में माल की पूर्ति बिक्री मूल्य पर भी की जाती है। प्रत्येक शाखा का व्यापार एवं लाभ हानि खाता बनाइये। न वसूल हुये लाभ का संचय करते हुये प्रत्येक शाखा के लाभ हानि का निर्धारण कीजिये।

© The Institute of Chartered Accountants of India

विवरण	पूना शाखा	गोवा शाखा
प्रारम्भिक रहतिया	40,000	30,000
क्रय (अर्न्तशाखा लेनदेनों को शामिल करते हुये)	2,00,000	2,50,000
बिक्री	2,80,000	2,95,625
चार्ज योग्य व्यय	15,000	27,500
अन्तिम रहतिया	30,000	43,500
कार्यालय एवं प्रशासन व्यय	13,250	7,000
बिक्री एवं वितरण व्यय	15,000	10,000

सूचनाऐं:

(i) पूना शाखा के प्रारम्भिक रहतिया में गोवा शाखा से प्राप्त 10,000 रू. का माल शामिल है।

(ii) गोवा शाखा के प्रारम्भिक रहतिया में पूना शाखा से लागत मूल्य में प्राप्त 17,000 रू. का माल शामिल है।

(iii) पूना शाखा के विक्रय में गोवा शाखा को बिक्री मूल्य पर 20,000 रू. का माल विक्रय में शामिल है।

(iv) गोवा शाखा के बिक्री में पूने शाखा को हस्तान्तरित बिक्री मूल्य पर 15,000 रू. का माल शामिल है।

(v) पूने शाखा के अन्तिम रहतिया में गोवा शाखा से प्राप्त 5,000 रू. का माल शामिल है।

(vi) गोवा शाखा के अन्तिम रहतिया में पूना शाखा से प्राप्त 4,000 रू. मूल्य का माल शामिल है।

विदेशी शाखा

(16) मेसर्स हीरा एण्ड कम्पनी का मुख्य कार्यालय यू.एस.एस. (USA) में है। शाखा पटना (भारत) में है। पटना शाखा विदेशी कम्पनी हीरा एण्ड कम्पनी का एक एकीकृत विदेशी परिचालन है।

आपको पटना शाखा ने 31 मार्च, 2016 को इसके तलपट की सूचनायें दी हैं। इसके बाद की अतिरिक्त सूचनायें बाद में मिलेंगी।

	डेबिट	क्रेडिट
	(रूपया हजार में)	
1 अप्रैल, 2015 को रहतिया	300	–
क्रय एवं विक्रय	800	1200
विविध देनदार एवं लेनदार	400	300
विनिमय विपत्र	120	240

© The Institute of Chartered Accountants of India

मजदूरी एवं वेतन	560	—
किराया, दर, एवं कर	360	—
विविध चार्जेज	160	—
प्लाण्ट	240	—
बैंक शेष	420	—
न्यूयार्क आफिस खाता	—	1620
	3360	3360

सूचनाएँ

(अ) मुख्य कार्यालय यू.एस.ए. से (USA) प्रेषण से प्राप्त 6000 $ से प्लाण्ट को प्राप्त किया गया तथा पूर्तिकर्ता को चुकाया था। वर्ष के लिये प्लाण्ट पर 60% ह्रास लगाया गया।

(ब) 31 मार्च, 2016 को पटना शाखा का बिना बिका हुआ रहतिया 4,20,000 रूपया का था।

(स) विनिमय दरों को निम्न प्रकार से लिया जा सकता हैः

- 01.04.2015 @ को 55 रूपया पर प्रति US $
- 31.03.2016 @ को 60 रूपया पर प्रति US $
- वर्ष के लिये औसत विनिमय दर @ 58 प्रति US $
- $ में रूपांतरण दो दशमलव सटीकता तक किया जायेगा।

आपको 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष हेतु आगम विवरण को USA $ में तथा हीरा एण्ड कम्पनी के मुख्य कार्यालय की पुस्तकों में दर्शाये गये पटना शाखा का आर्थिक चिट्ठा तैयार कीजिये।

आपको USA की पुस्तकों में 31.3.2016 के पटना शाखा खाते के नाम (डेबिट) शेष US $ में 29845.35 सूचित किया जाता है तथा मिलान के लिये कोई मद बकाया नहीं थी।

लेखा मानक पर आधारित समस्यायें

लेखा मानक-4 आकस्मिकताएं तथा आर्थिक चिट्ठा की तिथि के बाद घटित घटनाएं

17(अ) एक्स आयल लि0 अपनी लेखा पुस्तकों को 31 मार्च, 2016 को बन्द करते हैं, जबकि संचालक मण्डल द्वारा वित्तीय विवरण पत्र 4 अप्रैल, 2016 को अनुमोदित एवं पूर्ण किया। माह दिसम्बर, 2015 के दौरान कम्पनी ने भारत के बाहर एक पाइप लाइन डालने में लगी थी। मई, 2016 के दौरान इंजीनियरों ने महसूस किया कि अप्रत्याशित बरसात के कारण प्रोजेक्ट की कुल लागत में 50 लाख रू. की अतिरिक्त वृद्धि होगी। आपको कारण सहित बताना है कि लेखा मानक

© The Institute of Chartered Accountants of India

4 के अनुसार वर्ष 2015–16 के आर्थिक चिट्ठा में घटना के व्यवहार को किस प्रकार दिखाया जायेगा।

लेखा मानक 5 (AS-5) अवधि के लिये शुद्ध लाभ हानि, पूर्वावधि मदें तथा लेखांकन नीतियों में परिवर्तन

(ब) कम्पनी को ज्ञात हुआ कि 31.03.2016 स्कन्ध सूची में दो पृष्ठ जिसमें 14.5 लाख रू. के स्कंध का विवरण 31.3.2016 की सूची में नहीं है। बताइये कि आप किस प्रकार से निम्न विषयों को प्योर लिमिटेड के पुस्तकों में वर्ष के अन्त में 31 मार्च, 2016 को कैसे निपटायेंगे।

लेखा मानक 11 (AS-11) विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन के प्रभाव

18 (अ) 1.4.2016 को आमेगा लिमिटेड ने एक स्थाई सम्पत्ति 3,000 लाख रूपये लागत मूल्य पर क्रय किया। इस सम्पत्ति का पूरा वित्त पोषण एक विदेशी मुद्रा ऋण द्वारा (यू.एस. डालर) किया जिसका भुगतान तीन समान वार्षिक किस्तों में किया जाना है। डालर की विनिमय दर 1 डालर = 40.00 रूपया एवं 42.50 रू. क्रमशः 1.4.2016 एवं 31.3.2017 में क्रमशः है। प्रथम किस्त का भुगतान 31.12.2016 को किया गया। आपको बताना है कि इन व्यवहारों का लेखांकन किस प्रकार से किया जायेगा।

लेखा मानक 12 (AS-12) सरकारी अनुदानों हेतु लेखांकन

(ब) पी लिमिटेड इंजीनियरिंग उद्योग से सम्बन्धित है। 31.3.2016 को समाप्त वर्ष हेतु प्रारूप खाते लेखापाल ने तैयार कर लिये हैं। अनिवार्य लेखा मानकों की टिप्पणी को लेते हुये खातों के अन्तिम रूप से तैयार करने में निम्नलिखित मद पर आपको कम्पनी को सलाह देने की आवश्यकता है।

कम्पनी ने 01.04.2015 को एक विशेष उद्देश्य हेतु 25 लाख रूपये की मशीन क्रय की। इस मूल्य का 20% केन्द्रीय सरकार से अनुदान प्राप्त हुआ। मशीन का प्रभावपूर्ण जीवन 10 वर्ष है।

लेखा मानक 16 (AS-16) ऋण लेने की लागत

19 (अ) रैनबो लिमिटेड ने 11 प्रतिशत प्रतिवर्ष की दर से 1.4.2016 को 150 करोड़ रूपया का एक बॉयलर (Boiler) प्लाण्ट लगाने के लिए ऋण लिया। प्लाण्ट के पूर्ण होने के सम्भावना चार वर्ष है। 13% प्रतिवर्ष की दर से पूंजी की औसत भारित लागत है। रैनबो लिमिटेड के लेखापालक ने 31.3.2017 वर्ष के अन्त के लिये 19.50 करोड़ रूपये का पूँजीकरण किया। 150 करोड़ रूपये के कोष से 3.50 करोड़ रूपये के आधिक्य को कमाया गया तथा उसको लाभ हानि खाते में क्रेडिट किया गया। आप बताइये कि लेखापालक का यह लेखांकन व्यवहार सम्बन्धित लेखा मानक के अनुसार है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

इण्टरमीडिएट (आई.पी.सी.) परीक्षा मई 2017

लेखा मानक 19 (AS-19) पट्टे

(ब) सन लिमिटेड की इच्छा है कि पट्टे के माध्यम से एक मशीन प्राप्त करे, जिसकी लागत 30 लाख रू. है। मशीन का प्रभावपूर्ण जीवनकाल 14 वर्ष है एवं कम्पनी को केवल 5 वर्षों के लिये आवश्यकता है। कम्पनी ने स्टार लि0 से 3 लाख रू. प्रतिवर्ष पट्टे के किराये के आधार पर समझौता किया एवं अपवर्जी (implicit) ब्याज की दर 15% है। सूरज लिमिटेड का मुख्य लेखाकार उपरोक्त उपचार से पूर्णतया परिचित नहीं है तथा आपकी सलाह चाहता है।

(आप 15% की दर से 3 वर्ष में 3.36 के वार्षिकी का प्रयोग करें)

लेखा मानक 20 (AS-20) प्रति अंश उपार्जन

20 (अ) भारित अंशों की संख्या की गणना कीजिये।

दिनांक	विवरण	अंशों की संख्या	अंकित मूल्य	चुकता मूल्य
1 अप्रैल	वर्ष के प्रारम्भ में शेष	1800	10 रू.	10 रू.
31 जनवरी	अंशों का निर्गमन	600	10 रू.	5 रू.

लेखांकन मानक 26 (AS-26) अमूर्त सम्पत्तियाँ

(ब) एक फार्मा कम्पनी ने 31 मार्च, 2016 वर्ष के दौरान 33 लाख रूपया एक ड्रग विकसित करने की परियोजना में व्यय किया। ''एड्स'' विशेषज्ञों का मानना है कि ड्रग प्रभावशाली है या नहीं इसके निर्धारण करने में चार वर्ष लगेंगे। यदि यह पाया गया कि ड्रग प्रभावशाली है तो दो से तीन वर्ष अधिक दवा बनाने में लगेगा। जिसका विपणन बाजार में हो सकेगा। कम्पनी इसको स्थगित आयगत व्यय मानना चाहती है। अपना विचार/तर्क दीजिये।

लेखा मानक 29 (AS-29) प्रावधान आकस्मिक दायित्व एवं आकस्मिक सम्पत्तियाँ

(स) वित्तीय वर्ष 2015–16 के दौरान अल्फा लि0 ने गामा लि0 के साथ 7 करोड़ रू. में एक विक्रय अनुबन्ध में प्रवेश किया। इस लेनदेन में एक करोड़ रूपये का लाभ है। वित्तीय वर्ष 2016–17 के प्रथम माह से माल की सुपुर्दगी का कार्य प्रारम्भ होगा। यदि अल्फा लिमिटेड निश्चित निर्धारित तरीके एवं अवधि में सुपुर्दगी में असफल होता है तो गामा लिमिटेड को 2 करोड़ रूपया क्षतिपूर्ति में देगा। अल्फा लि0 ने वित्तीय वर्ष 2015–16 के अन्त में उत्पादन की योजना बनाई। आर्थिक चिट्ठा की तारीख (31.3.2016) तक वस्तु का उत्पादन नहीं हुआ था। दुर्भाग्यवश अल्फा लि0 इस स्थिति में नहीं है कि वे अपने प्रसंविदा को पूरा कर सके। लेखा मानक 29 के सन्दर्भ में अल्फा कम्पनी को 31 मार्च, 2016 को

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

समाप्त होने वाले वित्तीय वर्ष में आकस्मिकताओं के प्रावधान की आवश्यकता पर सलाह दीजिये।

प्रस्तावित उत्तर

वसूली खाता

विवरण	राशि	राशि	विवरण	राशि	राशि
To सम्पत्तियाँ :			By दायित्व :		
प्लाण्ट एवं मशीनरी खाता		7,97,850	विविध लेनदार खाता		4,25,250
फर्नीचर खाता		48,847	संयुक्त जीवन बीमा संचय खाता		1,99,125
रहतिया खाता		1,77,525	रोकड़ खाता :		
विविध देनदार खाता		4,00,500	संयुक्त जीवन पालिसी		1,74,375
संयुक्त बीमा पालिसी खाता		1,99,125	कमीशन प्राप्य		1,05,413
प्राप्य कमीशन		1,05,413			
To एल का पूँजी खाता :			By एल का पूँजी खाता :		
समापन व्यय		13,500	प्लाण्ट एवं मशीनरी	6,75,000	
To रोकड़ खाता :			फर्नीचर एवं स्टॉक	1,35,000	8,10,000
बिल अनादृत		23,062			
To साझेदारों का पूँजी खाता :			By एम का पूँजी खाता :		1,35,000
			फर्नीचर एवं स्टॉक		
(वसूली पर लाभ)					
एल	41,851				
एम	27,900				
एन	13,950	83,701			
		18,49,163			18,49,163

© The Institute of Chartered Accountants of India

इण्टरमीडिएट (आई.पी.सी.) परीक्षा मई 2017

साझेदारों का पूँजी खाता

विवरण	एल	एम	एन	विवरण	एल	एम	एन
To वसूली खाता				By शेष आगे लाये	3,15,000	1,68,750	90,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी खाता	6,75,000	–	–	By बैंक अधिविकर्ष खाता	4,54,837	–	–
फर्नीचर स्टॉक खाता	1,35,000	1,35,000	–	By मिसेज एल से ऋण खाता	1,12,500	–	–
To रोकड़ खाता (शेष राशि)	1,27,688	61,650	1,03,950	By वसूली खाता समापन व्यय	13,500	–	–
				वसूली पर लाभ	41,851	27,900	13,950
	9,37,688	**1,96,650**	**1,03,950**		**9,37,688**	**1,96,650**	**1,03,950**

रोकड़ खाता

विवरण	राशि	विवरण	राशि
To शेष आगे लाये	36,562	By वसूली खाता	
To वसूली खाता		बिल अनादरण	23,062
संयुक्त जीवन बीमा पालिसी	1,74,375	By साझेदारों का पूँजी खाता :	
कमीशन प्राप्य खाता	1,05,413	एल	1,27,688
		एम	61,650
		एन	1,03,950
	3,16,350		3,16,350

नोट :– विविध देनदार द्वारा विविध लेनदारों को पूर्ण सन्तुष्ट करने के लिए कोई जर्नल लेखे की आवश्यकता नहीं है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

2 (i) ख्याति को उत्पन्न एवं अपलिखित करने का समायोजन

नाम	पुराने लाभ हानि अनुपात में उत्पन्न करने पर		योग	नये अनुपात में अपलिखित करने पर	अन्तर
	भल्ला एण्ड कम्पनी	चाँद एण्ड कम्पनी			
	3 : 2	5 : 3	–	–	–
मान	2,70,000	–	2,70,000 क्रेडिट	2,76,000 डेबिट	6,000 डेबिट
हैलो	1,80,000	1,50,000	3,30,000 क्रेडिट	3,45,000 डेबिट	15,000 डेबिट
प्राउड	–	90,000	90,000 क्रेडिट	69,000 डेबिट	21,000 क्रेडिट
	4,50,000	2,40,000	6,90,000	6,90,000	NIL

(ii) 31.3.2016 को चाँद, भोला एण्ड कम्पनी (नई फर्म) का आर्थिक चिट्ठा

दायित्व	राशि	सम्पत्तियाँ	राशि
पूँजी खाता :		वाहन	4,44,000
मान	10,32,000	मशीनरी	6,00,000
हैलो	12,90,000	भवन	12,00,000
प्राउड	2,58,000	स्टॉक	4,20,000
चालू खाता :		देनदार	7,86,000
मान	1,32,000	रोकड़ एवं बैंक	4,20,000
हैलो	1,08,000		
प्राउड	10,50,000		
	38,70,000		38,70,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

इण्टरमीडिएट (आई.पी.सी.) परीक्षा मई 2017

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

1. फर्म के एकीकरण के समय पूँजी खाते का शेष

विवरण	मान की पूँजी	हैलो की पूँजी
भल्ला एण्ड कम्पनी लाभ हानि अनुपात 3:2		
आर्थिक चिट्ठे के अनुसार शेष	9,00,000	6,00,000
जोड़िये : संचय	1,80,000	1,20,000
पुर्नमूल्यांकन लाभ (भवन)	1,80,000	1,20,000
घटाइयेः वसूली पर हानि (मशीनरी)	(72,000)	(48,000)
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	(18,000)	(12,000)
	11,70,000	,80,000

विवरण	हैलो की पूँजी	प्राइड की पूँजी
चाँद एण्ड कम्पनी लाभ हानि अनुपात 5:3		
आर्थिक चिट्ठे के अनुसार शेष	4,50,000	3,00,000
जोड़िये : संचय	1,50,000	90,000
घटाइये : वसूली खाता (वाहन)	(60,000)	(36,000)
संदिग्ध ऋणों के लिये प्रावधान	(15,000)	(9,000)
	5,25,000	3,45,000

2. 31.3.2016 को नई फर्म के आर्थिक चिट्ठा में पूँजी खाते का शेष

विवरण	मान	हैलो	प्राउड
शेष आगे लाये : भोला एण्ड कम्पनी	11,70,000	7,80,000	—
चाँद एण्ड कम्पनी	—	5,25,000	3,45,000
	11,70,000	13,05,000	3,45,000
	(6000)	(15000)	21,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

ख्याति के लिए समायोजन	11,64,000	12,90,000	3,66,000
कुल पूँजी 25,80,000 रूपया (हैलो की पूँजी 12,90,000 X 2) में अंशदान 4:5:1	10,32,000	12,90,000	2,58,000
चालू खाते में हस्तान्तरण	1,32,000	–	1,08,000

*हैलो की पूँजी 12,90,000 रूपया फर्म की कुल पूँजी की आधी (½) है।

3. अरूण एवं वरूण की पुस्तक में

वसूली खाता

विवरण			विवरण		
To विविध देनदार	–	1,20,000	By विविध लेनदार	96,000	
To प्राप्य बिल	–	20,000	By ऋण के लिए लेनदार	80,000	
To व्यापारिक स्टॉक	–	72,000	By बैंक अधिविकर्ष	32,000	
To एकस्व	–	16,000	By क्रय कम्पनी	4,20,000	
To प्लाण्ट एवं मशीनरी	–	32,000	(W.N. 2)		
To भूमि एवं भवन	–	1,20,000			
To पूँजी खाता (लाभ)					
अरूण	1,24,000				
वरूण	1,24,000	2,48,000			
		6,28,000		6,28,000	

साझेदारों के पूँजी खाते

विवरण	अरूण	वरूण	विवरण	अरूण	वरूण
To क्रय कम्पनी में अंश	2,10,000	2,10,000	By शेष आगे लाये	80,000	80,000
			By संचय	6,000	6,000
			By वसूली खाता	1,24,000	1,24,000
	2,10,000	2,10,000		2,10,000	2,10,000

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

1. ख्याति = [(60,000 + 72,000 + 84,000 +12,000) /3 X 2 वर्ष =1,52,000
2. लाभ का संचय खाते में हस्तान्तरण @ 4000 रूपया 3 वर्ष के लिये

© The Institute of Chartered Accountants of India

2. **क्रय प्रतिफल**

ली गई सम्पत्तियाँ :		
ख्याति (W.N. 1)		1,52,000
भूमि एवं भवन		2,00,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी		48,000
विविध देनदार		1,20,000
प्राप्य बिल		20,000
व्यापारिक रहतिया		72,000
एकस्व		16,000
		6,28,000
घटाइये : दायित्व लिये गये		
लेनदार	96,000	
ऋण के लिये लेनदार	80,000	
बैंक अधिविकर्ष	32,000	2,08,000
क्रय प्रतिफल		4,20,000

4.

- सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) अधिनियम, 2008 के अन्तर्गत धारा 27(3) के अन्तर्गत (LLP) के अन्तर्गत दायित्व प्रसंविदा द्वारा उत्पन्न होता है। अन्यथा केवल सीमित दायित्व साझेदारी का कर्त्तव्य है।
- सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) में दायित्व सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) की सम्पत्तियों द्वारा पूरा किया जायेगा।
- केवल सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) के कारण ऊपर दिये गये धारा 27(3) के अन्तर्गत दिये गये कर्त्तव्यों के लिये धारा 28(1) के अन्तर्गत साझेदार प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से जिम्मेदार नहीं होगा।
- धारा 27 (1) वर्णन करती है कि सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) किसी साझेदार द्वारा अन्य व्यक्ति के साथ किये गये कार्यों के जिम्मेदार नहीं होगी। यदि
  - सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) अधिनियम के कारण एक साझेदार को कोई विशेष कार्य को करने का अधिकार नहीं उत्पन्न होता है।
  - अन्य कोई व्यक्ति जो साझेदार को जानता है या नहीं जानता है या विश्वास करता है, उसका सीमित दायित्व साझेदारी (LLP) में कोई अधिकार नहीं है।

© The Institute of Chartered Accountants of India

- सीमित दायित्व साझेदारी की धारा 30(1) के अन्तर्गत अगर साझेदारों द्वारा कोई कपट (fraudlent) व्यवहार (dealings) किया जाता है, तो सभी या कोई भी असीमित दायित्व या अन्य दायित्व के लिये उत्तरदायी होंगे।

5. विकल्प मूल्य में कार्यकुशलता के आउटपुट पर निर्भर करता है। जबकि बाजार की कार्यकुशलता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। (यह सम्भव है कि विकल्प मूल्य 40 रू. होगा एवं यह भी सम्भव है कि विकल्प मूल्य 30 रू. हो सकता है) इसका ध्यान नहीं दिया जायेगा जब स्टॉक विकल्प के उचित मूल्य का मूल्यांकन ग्राण्ट तिथि पर किया जाता है। इसके स्थान पर उपक्रम समस्त बातों एवं सिनेरियो को ध्यान में रखकर ग्राण्ट तिथि को स्टॉक विकल्प का उचित मूल्य का मूल्यांकन करेगी एवं कार्यकुशलता के आउटपुट पर मूल्य को पुनरीक्षित कर सकती है। प्रत्येक वर्ष के अन्त में उपलब्ध सूचनाओं के आधार पर मूल्य को पुनरीक्षित कर सकती है।

प्रत्येक वर्ष चार्ज किये जाने वाले क्षतिपूर्ति व्यय की गणना

वर्ष	गणना	क्षतिपूर्ति व्यय अवधि के लिये (रू.)	संचयी क्षतिपूर्ति व्यय (रू.)
1	10000 विकल्प X 16 रूपया X $\frac{1}{3}$	53,333	53,333
2	[10000 विकल्प X 16 X $\frac{2}{3}$] – 53,333	53,334	1,06,667
3	[10000 विकल्प X 12 X $\frac{3}{3}$] – 1,06,667	13,333	1,20,000

6. **जर्नल लेखे**

मुक्ता लिमिटेड की पुस्तकों में

(लाख में)

	विवरण	डेबिट	क्रेडिट
1	बैंक खाता डेबिट	25,000	
	To विनियोग खाता		24,000
	To लाभ हानि खाता		1,200
	(विनियोग का विक्रय एवं लाभ को लाभ हानि खाते में क्रेडिट किया गया)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

2	10% शोधनीय पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता डेबिट	20,000	
	पूर्वाधिकार अंशधारियों के शोधन पर को प्रीमियम देय खाता डेबिट	2,000	
	To पूर्वाधिकार अंशधारियों खाता		22,000
	(शोधनीय पूर्वाधिकार अंशधारियों को 10% प्रीमियम देय)		
3	प्रतिभूति प्रीमियम खाता डेबिट	2,000	
	To पूर्वाधिकार अंशधारियों के शोधन पर को प्रीमियम देय खाता		2,000
	(शोधनीय पूर्वाधिकार अंशधारियों को देय प्रीमियम को प्रतिभूति प्रीमियम से उपयोग किया गया)		
4	समता अंश पूँजी खाता डेबिट	16,000	
	पुनः क्रय पर प्रीमियम देय डेबिट	16,000	
	To समता अंश का पुनः क्रय खाता		32,000
	(अंशों के पुनः क्रय पर राशि देय)		
5	प्रतिभूति प्रीमियम खाता (6400–2000) डेबिट	4,400	
	सामान्य संचय खाता (शेष राशि) डेबिट	11,600	
	To पुनः क्रय पर प्रीमियम देय		16,000
	(पुनः क्रय पर प्रीमियम का भुगतान पहले प्रतिभूति प्रीमियम से किया जायेगा शेष राशि सामान्य संचय से दी जायेगी)		
6	बैंक खाता डेबिट	16,000	
	To बैंक ऋण खाता		16,000
	(पुनः क्रय के बिल के लिये बैंक से ऋण लिया)		
7	पूर्वाधिकार अंशधारी खाता डेबिट	22,000	
	समता अंश पुनः क्रय खाता डेबिट	32,000	
	To बैंक खाता		54,000
	(पूर्वाधिकार अंशधारियों एवं समता अंशधारियों को भुगतान)		
8	सामान्य संचय खाता डेबिट	36,000	
	To पूँजी शोधन संचय खाता		36,000
	(शोधन योग्य पूर्वाधिकार अंश के उचित मूल्य के बराबर एवं समता अंश के पुनः क्रय की सीमा तक राशि पूँजी शोधन खाते में हस्तान्तरण) (20,000 + 16,000)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

7. **जर्नल लेखे**

	विवरण	डेबिट	क्रेडिट
1	बैंक खाता डेबिट	8,00,000	
	To 10% ऋणपत्र आवेदन खाता		8,00,000
	(16000, 10% ऋणपत्रों पर @ 50 रू. प्रति ऋणपत्र आवेदन राशि प्राप्त)		
2	10% ऋणपत्र आवेदन खाता डेबिट	8,00,000	
	10% ऋणपत्र आवंटन खाता डेबिट	7,68,000	
	ऋणपत्र निर्गमन पर छूट खाता डेबिट	32,000	
	To 10% ऋणपत्र खाता		16,00,000
	(16000, 10% ऋणपत्र प्रति ऋणपत्र 100 रू. 2रू. छूट पर आंवटन)		16,000
3	ऋणपत्रों के निर्गमन पर अभिगोपन कमीशन खाता डेबिट	16,000	
	To मिस्टर X अभिगोपक खाता		16,000
	(16,00,000 रू. के ऋणपत्रों के अंकित मूल्य पर @1% की दर से अभिगोपन कमीशन)		
4	मिस्टर X अभिगोपक खाता डेबिट	16,000	
	To 10% ऋणपत्र खाता		16,000
	(160, 10% ऋणपत्रों को 100 प्रति सममूल्य ऋणपत्र की दर से अभिगोपक X को अभिगोपन कमीशन के लिये देय)		
5	बैंक खाता डेबिट	7,68,000	
	To 10% ऋणपत्र आवंटन खाता		7,68,000
	(48 रू. प्रति ऋणपत्र की दर से 16,000 ऋणपत्रों पर आवंटन राशि प्राप्त)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

इण्टरमीडिएट (आई.पी.सी.) परीक्षा मई 2017

अमन लि0 का आर्थिक चिट्ठा दिनांक .....

		नोट्स सं0	
I	**समता एवं दायित्व**		
	अंशधारियों का कोष		NIL
	संचय एवं आधिक्य		–
	गैर–चालू दायित्व		
	दीर्घकालीन उधार		16,16,000
			16,16,000
II	**सम्पत्तियाँ**		
	चालू सम्पत्तियाँ		
	रोकड़ एवं रोकड़ तूल्य (बैंक में शेष)		15,68,000
	अन्य गैर चालू सम्पत्तियाँ	1	48,000
			16,16,000

टिप्पणियाँ

I	**अन्य गैर–चालू सम्पत्तियाँ**		
	निर्गमित ऋणपत्रों पर अभिगोपन कमीशन	–	32,000
	निर्गमित ऋणपत्रों पर कटौती		16,000
			48,000

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

रोकड़ बही (केवल बैंक कॉलम)

To 10% ऋणपत्र आवंटन खाता	8,00,000	By शेष आगे ले गये	15,68,000
To 10% ऋणपत्र आवंटन खाता	7,68,000		
	15,68,000		
To शेष आगे लाये	15,68,000		15,68,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

12% ऋणपत्र खाता

To शेष आगे ले गये	16,16,000	By 10% ऋणपत्र आवेदन खाता	8,00,000
		By 10% ऋणपत्र आवंटन खाता	7,68,000
		By ऋणपत्र निर्गमन कटौती खाता	32,000
		By मिस्टर X (अभिगोपक)	16,000
	16,16,000		16,16,000

8. **जर्नल लेखे**

	विवरण	(रू.) डेबिट	(रू.) क्रेडिट
1 जनवरी 2006	बैंक खाता डेबिट	2000,000	
	To 9% ऋणपत्र आवेदन पत्र एवं आवंटन खाता		2,00,000
	(20,000 ऋणपत्र 100 रू. वाले के आवेदन पत्र पर राशि प्राप्त हुई)		
	9% ऋणपत्र आवेदन एवं आवंटन खाता डेबिट	10,00,000	
	To 9% ऋणपत्र खाता		10,00,000
	(20,000, 9% वाले ऋणपत्र प्रति 100 रूपया के आवंटन पर राशि प्राप्त हुई)		
	9% ऋणपत्र खाता डेबिट	2,00,000	
(i)	ऋणपत्रों के शोधन पर हानि खाता	2,000	
1 जनवरी 2008	डेबिट		2,02,000
	To बैंक खाता		
	(2,000, 9% वाले ऋणपत्रों का शोधन खुले बाजार से 101 रू. प्रति ऋणपत्र की दर से क्रय किया)		
	लाभ हानि खाता/प्रतिभूति प्रीमियम खाता डेबिट	2,000	
	To ऋणपत्र के शोधन पर हानि खाता		2,000
	(ऋणपत्र शोधन की हानि को लाभ हानि खाते या प्रतिभूति प्रीमियम से अपलिखित करने पर)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

(ii)	9% ऋणपत्र खाता डेबिट	6,00,000	
1 जनवरी 2011	To विविध ऋणपत्रधारी खाता		6,00,000
	(एक ऋणपत्रों के लाट को वापस लेने के लिये 6,00,000 रू. ऋणपत्र के शोधन के लिये ऋणपत्रधारियों को भुगतान देय)		
	विविध ऋणपत्रधारी खाता डेबिट	6,00,000	
	To बैंक खाता		6,00,00
	(सममूल्य पर 6,00,000 रू. के ऋणपत्रधारी को शोधनीय ऋणपत्रों का भुगतान)		
(iii)			
1 जनवरी 2012	स्वयं ऋणपत्र खाता डेबिट	3,95,600	
	To बैंक खाता		3,95,600
	(अंकित मूल्य 4,00,000 रू. स्वयं के ऋणपत्रों को 3,95,600 रू. में क्रय किया)		
1 जनवरी 2013	9% ऋणपत्र खाता डेबिट	4,00,000	
	To स्वयं ऋणपत्र खाता		3,95,600
	To स्वयं के ऋणपत्र के निरस्तीकरण पर लाभ		4,400
	(पिछले वर्ष के अंकित मूल्य पर स्वयं के ऋणपत्रों को 3,95,600 रू. में क्रय कर निरस्त किया गया)		
	स्वयं के ऋणपत्रों के निरस्तीकरण पर लाभ डेबिट	4,400	
	To पूँजी संचय खाता		4,400
	(स्वयं के ऋणपत्रों के निरस्त होने पर लाभ को पूँजी संचय खाते में हस्तान्तरण किया)		
(iv)			
1 जनवरी 2016	9% ऋणपत्र खाता डेबिट	8,00,000	
	शोधनीय ऋणपत्र पर प्रीमियम खाता डेबिट	16,000	
	To विविध ऋणपत्रधारी खाता		8,16,000
	(8,00,000 के अंकित मूल्य वाले शोधनीय ऋणपत्रों का संचालकों के सहमति से 2% प्रीमियम पर भुगतान देय)		
	विविध ऋणपत्रधारी खाता डेबिट	8,16,000	
	To बैंक खाता		8,16,000
	(विविध ऋणपत्रधारियों का भुगतान किया)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

	प्रतिभूति प्रीमियम खाता डेबिट To ऋणपत्रों के शोधन पर प्रीमियम खाता (ऋणपत्रों के भुगतान में प्रीमियम के हिस्से को प्रतिभूति प्रीमियम खाते से अपलिखित किया गया)	16,000	 16,000

मेसर्स R (आर) लिमिटेड
1.4.2016 को आर्थिक चिट्ठा

		विवरण	नोट्स	in 000 रू.
		समता एवं दायित्व		
1		**अंशधारियों का कोष**		
	(अ)	अंश पूँजी	1	6,55,980
	(ब)	संचय एवं आधिक्य	2	2,77,990
2		**गैर–चालू दायित्व**		
	(अ)	दीर्घकालीन उधार	3	80,000
3		**चालू दायित्व**		
	(अ)	व्यापारिक देय	4	80,000
	(ब)	अल्पकालीन आयोजन	5	22,000
				11,15,970
		सम्पत्तियाँ		
1		**गैर–चालू सम्पत्तियाँ**		
	(अ)	स्थायी सम्पत्तियाँ		
		दृश्य सम्पत्तियाँ	6	5,60,000
	(ब)	गैर–चालू विनियोग	7	1,30,000
2		**चालू सम्पत्तियाँ**		
	(अ)	स्कन्ध	8	1,52,000
	(ब)	व्यापारिक प्राप्य	9	1,44,000
	(स)	रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य		1,29,970
		योग		11,15,970

© The Institute of Chartered Accountants of India

खातों पर टिप्पणियाँ

		in (000)
1	**अंश पूँजी**	
	समता अंश पूँजी	
	55,598 समता अंश 10 रू. वाले पूर्ण प्रदत्त (W. N. 2)	5,55,980
	पूर्वाधिकार अंश पूँजी	
	9% पूर्वाधिकार अंश पूँजी (100 रू. प्रति अंश) (W. N. 2)	1,00,000
		6,55,980
2	**संचय एवं आधिक्य**	
	प्रतिभूति प्रीमियम (W. N. 2)	2,77,980
	विनियोग भत्ता संचय	14,000
	(10,000 +4,000)	
	एकीकरण समायोजन संचय	(14,000)
		2,77,980
3	**दीर्घकालीन उधार**	
	सुरक्षित	
	10% ऋणपत्र (50% of 1,60,000)	80,000
4	**व्यापारिक देय (50,000 + 30,000)**	80,000
5	**अल्पकालीन प्रावधान**	
	करों के लिये प्रावधान (14,000 + 8,000)	22,000
6	**दृश्य सम्पत्तियाँ**	
	भवन (1,13,200 + 1,05,000)	2,37,000
	प्लाण्ट एण्ड मशीनरी (1,76,000 +1,47,000)	3,23,000
		5,60,000
7	**गैर–चालू विनियोग** (80,000 + 50,000)	1,30,000
8	**स्कन्ध**	
	रहतिया (72,000 + 80,000)	1,52,000
9	**व्यापारिक प्राप्य**	
	व्यापारिक प्राप्य [90% of (90,000 + 70,000)]	1,44,000
10	**रोकड़ एवं रोकड़ तुल्य**	
	रोकड़ एवं बैंक (80,000 + 50,000 − 30)	1,29,970

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

हस्तान्तरक कम्पनी द्वारा निर्गमित समता अंशों के मूल्यों की गणना

		पी0 लि0		क्यू लि0
सम्पत्तियाँ ली गई				
भवन	–	1,32,000	–	1,05,000
प्लाण्ट एवं मशीनरी	–	1,76,000	–	1,47,000
विनियोग	–	80,000	–	50,000
स्कन्ध	–	72,000	–	80,000
व्यापारिक प्राप्य	–	81,000	–	63,000
रोकड़ एवं बैंक	–	80,000	–	50,000
		6,21,000		4,95,000
घटाइये : दायित्व				
10% ऋणपत्र	1,00,000	–	60,000	–
व्यापारिक देय	50,000	–	30,000	–
कर प्रावधान	14,000	1,64,000	8,000	98,000
	–	4,57,000	–	3,97,000
घटाइये : पूर्वाधिकार अंश पूँजी		60,000		40,000
	–	3,97,000	–	3,57,000

2. समता अंशधारी, ऋणपत्रधारी एवं पूर्वाधिकार अंशधारी को निर्गमित अंशों की संख्या

	पी0 लि0	क्यू लि0	योग
समता अंशों का निर्गमन प्रति अंश 15 रू. (5 रू. प्रति अंश प्रीमियम शामिल)			
3,97,000 / 15	26,466 अंश	–	–
3,57,000 / 15	–	23,800 अंश	50,266 अंश
समता अंश पूँजी @ 10 रूपया	2,64,660 रूपया	2,38,000 रूपया	5,02,660 रूपया
प्रतिभूति प्रीमियम @ 5 रूपया	1,32,330 रूपया	1,19,000 रूपया	2,51,330 रूपया
	3,96,990	357000	753990

50% ऋणपत्रों को @ 15 रू. प्रति समता अंशों में परिवर्तित किये गये

	पी0 लि0	क्यू लि0	योग
1,00,000 / 2 = 50,000 / 15	3,332 अंश	–	–
60,000 / 2 = 30,000 / 15	–	2,000 अंश	5,332 अंश
समता अंश पूँजी @ 10 रूपया	33,320 रूपया	20,000 रूपया	53,320 रूपया
प्रतिभूति प्रीमियम @ 5 रूपया	16,660 रूपया	10,000 रूपया	26,660 रूपया

© The Institute of Chartered Accountants of India

9% पूर्वाधिकार अंश पूँजी का निर्गमन	49,980 रूपया	30,000 रूपया	79,980 रूपया
	60,000 रूपया	40,000 रूपया	1,00,000 रूपया

टिप्पणी :

1. अंशों के खण्डीकरण का नगद भुगतान = 3,97,000 घटाइये 3,96,990 = 10 रूपया
2. अंशों के खण्डीकरण का नगद भुगतान = 50,000 घटाइये 49,980 = 20 रूपया

10(अ). मैसर्स लायन लि0 की पुस्तकों में जर्नल लेखे

क्रम	विवरण	डेबिट	क्रेडिट
		लाख में	लाख में
i	8% पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता (100 प्रति) डेबिट	400	
	To पूँजी कटौती खाता		80
	To पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता		320
	(अनुमोदित योजना के तहत 100 रू. वाले पूर्वाधिकार अंशों को 80 रू. तक कम करने पर)		
ii	समता अंश पूँजी डेबिट	1000	
	To समता अंश पूँजी		200
	To पूँजी कटौती खाता		800
	(समता अंशों 10 रू. वाले को 2 रू. तक कम करने पर)		
iii	पूँजी कटौती खाता डेबिट	32	
	To समता अंश पूंजी खाता (2 प्रति)		32
	(पूर्वाधिकार अंशधारियों के बकाया 3 वर्ष के 1/3 अंशों के लाभांश को 2 रू. वाले 8 लाख समता अंशों के निर्गमन द्वारा संतुष्ट किया)		
iv	6% ऋणपत्र खाता डेबिट	300	
	To स्वकीय सम्पत्ति खाता		300
	(ऋणपत्रधारियों के दावों को स्वकीय सम्पत्ति के एक हिस्से के हस्तान्तरण द्वारा सन्तुष्ट किया गया)		
v	उपार्जित ऋणपत्र ब्याज खाता डेबिट	24	
	To बैंक खाता		24
	(उपार्जित ऋणपत्रों पर ब्याज का भुगतान किया गया)		
	स्वकीय सम्पत्ति खाता डेबिट	150	
vi	To पूंजी कटौती खाता		150
	(स्वकीय सम्पत्ति के मूल्य में वृद्धि)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

vii	बैंक खाता डेबिट To विनियोग खाता To पूंजी कटौती खाता (विनियोगों को लाभ पर बेचा जाय)	250	 200 50
viii	संचालकों का ऋण खाता डेबिट To समता अंश पूंजी खाता To पूंजी कटौती खाता (संचालकों के 70% ऋण को समाप्त (waived) किया गया एवं शेष का भुगतान 45 लाख समता अंश 2 रू. वाले के निर्गमन द्वारा किया गया)	300	 90 210
ix	पूँजी कटौती खाता डेबिट To लाभ हानि खाता To व्यापारिक प्राप्य खाता (450 x 40%) To व्यापारिक स्कंध खाता (300 x 80%) To बैंक खाता (600 x 5%) (विभिन्न सम्पत्तियों के निश्चित मूल्य, ठेके के निरस्त होने पर जुर्माना, लाभ हानि खाते के डेबिट शेष को पूँजी कटौती खाते से अपलिखित किया गया)	972	 522 180 240 30
x	पूँजी कटौती खाता डेबिट To पूंजी संचय खाता (योजना के अनुसार शेष राशि को पूँजी संचय खाते में हस्तान्तरण करने पर)	286	 286

(ब) पूँजी कटौती खाता

विवरण	लाख रू. में	विवरण	लाख रू. में
To समता अंश पूँजी	32	By पूर्वाधिकार अंश पूँजी खाता	80
To व्यापारिक प्राप्य	180	By समता अंश पूँजी खाता	800
To निर्मित सामग्री	240	By स्वकीय सम्पत्तियाँ खाता	150
To लाभ हानि खाता	522	By बैंक खाता	50
To बैंक खाता	30	By संचालक का ऋण खाता	210
To पूँजी संचय	286		
	1290		1290

© The Institute of Chartered Accountants of India

(स) आर्थिक चिट्ठा पर टिप्पणियाँ

	विवरण	लाख रू. में	लाख रू. में
	अंश पूँजी		
	अधिकृत		
	200 लाख समता अंश 2 रू. प्रति		400
	8 लाख 8% पूर्वाधिकार अंश 80 रू. प्रति		640
			1040
	निर्गमित :		
	161 लाख समता अंश 2 रू. प्रति अंश		322
	4 लाख पूर्वाधिकार अंश 80 रू. प्रति		320
			642
	दृश्य सम्पत्तियाँ		
	स्वकीय सम्पत्तियाँ	550	
	घटाइये : ऋणपत्रधारियों के भुगतान में प्रयोग	(300)	
		250	
	जोड़िये – वृद्धि	150	400
	प्लाण्ट एवं मशीनरी		200
			600

ओम लिमिटेड

निस्तारक का अन्तिम खाता विवरण पत्र

प्राप्तियाँ	वसूली मूल्य	भुगतान	भुगतान	भुगतान
वसूली सम्पत्तियाँ		निस्तारक का पारिश्रमिक	–	1,02,224
बैंक में रोकड़	2,40,000	(W.N. 1)		
विविध देनदार	8,00,000			
स्कन्ध	6,40,000	समापन व्यय		1,17,736
प्लाण्ट एवं मशीनरी	20,00,000	ऋणपत्रधारी :		
एकस्व	2,00,000	14% ऋणपत्र	9,20,000	
प्रतिभूतियाँ पर आधिक्य	5,20,000	उपार्जित ब्याज (W.N. 2)	1,61,000	10,81,000
(W.N. 3)		लेनदार :		
		पूर्वाधिकार	1,20,000	
		असुरक्षित	3,51,200	4,71,200
		पूर्वाधिकार अंशधारी		
		पूर्वाधिकार अंश पूँजी	16,00,000	
		लाभांश का बकाया	2,24,000	18,24,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

		समता अंशधारी (W.N. 4) (32000 अंशों पर 25.12 प्रति अंश)		8,03,840
	44,00,000			44,00,000

क्रियात्मक टिप्पणियाँ

1	निस्तारक का पारिश्रमिक :	
	2% सम्पत्तियों की वसूली पर (2% of 47,60,000)	95,200
	असुरक्षित लेनदारों को भुगतान की गई राशि पर (2% on 3,51,200)	7,024
		1,02,224
2	14% ऋणपत्रों पर उपार्जित ब्याज	
	31.3.2016 को उपार्जित ब्याज	1,28,800
	भुगतान की तिथि 30.06.2016 तक उपार्जित ब्याज	32,200
		1,61,000
3	प्रतिभूतियों पर आधिक्य	
	भूमि एवं भवन से वसूली मूल्य (3,20,000 + 8,00,000)	11,20,000
	घटाइये : (बंधक) ऋण	(6,00,000)
		5,20,000
4	समता अंशधारियों को देय राशि :	
	समता अंश पूँजी (चुकता)	19,20,000
	घटाइये : समता अंशधारियों के लिये उपलब्ध राशि	(8,03,840)
	समता अंशधारियों द्वारा वहन किये जाने वाली हानि	11,16,160
	प्रति समता अंश हानि (11,16,160 / 32,000)	34.88
	प्रति समता अंशधारियों को भुगतान की जाने वाली राशि (60 – 34.88)	25.12

© The Institute of Chartered Accountants of India

12. **FORM B – RA**

बीमाकर्ता का नाम :– Xeta बीमा कम्पनी लिमिटेड
आई.आर.डी.ए. का पंजीकरण क्रमांक तथा पंजीकरण तारीख .....
31 मार्च, 2016 को समाप्त हो रहे वर्ष के लिये आगम खाता

	विवरण	अनुसूची	राशि (रू)
	अर्जित प्रीमियम (शुद्ध)	1	29,81,000
	विनियोग की बिक्री पर लाभ		30,000
	अन्य		–
	ब्याज एवं लाभांश (सकल)		1,50,000
	योग (अ)		31,61,000
	किये गये दावे (शुद्ध)	2	20,25,000
	कमीशन	3	3,50,000
	बीमा से सम्बन्धित परिचालन व्यय	4	7,50,000
	योग (ब)		31,25,000
	बीमा व्यापार से प्राप्त परिचालन लाभ (A) – (B)		36,000

अनुसूची – 1 अर्जित प्रीमियम (शुद्ध)

	रू.
प्रीमियम प्राप्त	33,60,000
घटाइये : अर्जित पुनर्बीमा प्रीमियम	(2,25,000)
शुद्ध प्रीमियम	31,35,000
घटाइये : असमाप्त जोखिम संचय में परिवर्तन के लिये समायोजन (WN के अनुसार)	(1,54,000)
कुल प्रीमियम अर्जित	29,81,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

अनूसूची–2 दावे हुए (शुद्ध)

	रू.
दावे का भुगतान	19,20,000
जोड़िये: दावों के सम्बन्ध में व्यय	90,000
	20,10,000
घटाया – पुर्नबीमा प्राप्त	60,000
	19,50,000
जोड़िये : 31 मार्च, 2016 के अदत्त दावे	2,70,000
	22,20,000
घटाइये : 31 मार्च, 2015 अदत्त दावे	(1,95,000)
	20,25,000

अनुसूची – 3 कमीशन

	रू.
कमीशन भुगतान	3,50,000

अनुसूची – 4 बीमा व्यवसाय से सम्बन्धित परिचालन व्यय

	रू.
प्रबन्ध के व्यय (4,20,000 – 45,000)	3,75,000

क्रियात्मक टिप्पणी :

असमाप्त जोखिम के लिये संचय में परिवर्तन की गणना

31 मार्च, 2016 को असमाप्त जोखिम के लिये संचय	12,54,000	
31 मार्च, 2016 को अतिरिक्त संचय	7,00,000	19,54,000
घटाइये : 31 मार्च, 2015 को असमाप्त जोखिम के लिये संचय	15,00,000	
31 मार्च, 2015 को अतिरिक्त संचय	3,00,000	(18,00,000)
		1,54,000

13. 31 मार्च, 2016 को भुनाये हुये बिलों में कटौती जो कि गणना की अवधि तक समाप्त नहीं हुये थे:

© The Institute of Chartered Accountants of India

10 प्रतिशत की दर से कटौती 62 दिन के लिये 5,60,000 रू. पर	9,512
10 प्रतिशत की दर से कटौती 69 दिन के लिये 17,44,000 रू. पर	32,969
10 प्रतिशत की दर से कटौती 82 दिन के लिये 11,28,000 रू. पर	25,341
10 प्रतिशत की दर से कटौती 92 दिन के लिये 16,24,000 रू. पर	40,934
10 प्रतिशत की दर से कटौती 96 दिन के लिये 12,00,000 रू. पर	31,562
	1,40,318

नोट : भुनाये हुये बिलों के देय तिथि में उपरोक्त दिन शामिल है।

कटौती की राशि को लाभ हानि खाते में क्रेडिट की जायेगी।

31.03.2015 को भुनाये हुये बिलों पर कटौती का हस्तान्तरण	1,36,518
जोड़िये :वर्ष के दौरान प्राप्त छूट	3,40,312
	4,76,830
घटाइये : 31.03.2016 को भुनाये हुये बिलों पर कटौती (उपरोक्तानुसार)	(1,40,318)
	3,36,512

जर्नल प्रविष्टियाँ

	रू.	रू.
भुनाये हुये बिलों पर कटौती खाता डेबिट	1,36,518	
To बिलों पर कटौती खाता	—	1,36,518
(31.03.2015 को प्रारम्भिक असमाप्त कटौती को हस्तान्तरण करने पर)		
बिलों पर कटौती खाता डेबिट	1,40,318	
To भुनाये हुये बिलों पर कटौती खाता		1,40,318
(31.03.2016 को असमाप्त कटौती को लेखे में लिये जाने पर)		
बिलों पर छूट खाता डेबिट	3,36,512	
To लाभ हानि खाता		3,36,512
(अर्जित छूट को लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण)		

© The Institute of Chartered Accountants of India

14. **विभागीय व्यापार खाता**

31 मार्च 2016 के वर्ष के अन्त में

विवरण	रू.	विवरण	रू.
To प्रारम्भिक रहतिया	2,40,000	By विक्रय	9,60,000
To क्रय	5,40,000	By कमी (Shorgage)	3,600
To सकल लाभ	2,70,450	By अन्तिम रहतिया (1,20,540 – 33,690)	86,850
	10,50,450		10,50,450

विभागीय रहतिया खाता (बिक्री मूल्य पर)

विवरण	रू.	विवरण	रू.
To शेष आगे ले आये (2,40,000 + 96,000)	3,36,000	By लाभ हानि खाता (कमी की लागत)	3,600
To क्रय खाता	5,40,000	By स्मरणार्थ विभागीय मार्क अप खाता	1,440
To स्मरणार्थ विभागीय मार्क अप (क्रय पर मार्क अप)	2,16,000	By मार्क अप खाता (मार्क डाउन चालू क्रय पर)	4,200
		By देनदार खाता (बिक्री)	9,60,000
		By स्मरणार्थ विभागीय मार्क–अप खाता (प्रारम्भिक रहतिया पर मार्क डाउन)	2,220
		By शेष आगे ले गये	1,20,540
	10,92,000		10,92,000

© The Institute of Chartered Accountants of India

इण्टरमीडिएट (आई.पी.सी.) परीक्षा मई 2017

स्मरणार्थ विभागीय मार्क–अप खाता

	रू.		रू.
To स्मरणार्थ विभागीय रहतिया खाता (3600 x 40) / 100	1,440	To शेष आगे ले आये (3,36,000 x 40) / 140	96,000
To स्मरणार्थ विभागीय रहतिया खाता	4,200		
To स्मरणार्थ विभागीय रहतिया खाता	2,220	To स्मरणार्थ विभागीय रहतिया खाता (5,40,000 – 40 / 100)	2,16,000
To सकल लाभ को लाभ हानि खाते में हस्तान्तरण	2,70,450		
To शेष आगे ले आये (1,20,540 + 1050)* X 40 / 140 – (1050)	33,690		
*[4,200 रू. x 12,000 / 48000] = 150 रू.			
	3,12,000		3,12,000

क्रियात्मक टिप्पणीयाँ

I		बिक्री की लागत की गणना	
	अ	पुस्तकों के आधार पर विक्रय	9,60,000
	ब	जोड़िये : प्रारम्भिक रहतिया में मार्क डाउन (दिया हुआ)	2,220
	स	जोड़िये : चालू क्रय से बाहर मार्क–डाउन बिक्री (4,200 X 36,000 / 48,000)	3,150
	द	यदि कोई मार्क–डाउन न होने पर विक्रय मूल्य (अ+ब+स)	9,65,370
	य	घटाइये : सकल लाभ (40 / 140 of 965370)	2,75,820
		(बशर्ते मार्क डाउन) (2220 + 3150)	
	र	बिक्री की लागत	6,89,550
II		अन्तिम रहतिया की गणना	
	अ	प्रारम्भिक रहतिया	2,40,000
		जोड़िये : क्रय	5,40,000
		घटाइये : बिक्री की लागत	6,89,550
	द	घटाइये : कमी	3,600
	य	अन्तिम रहतिया (अ+ब+स–द)	86,850

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

15. पूना शाखा का व्यापार एवं लाभ एव हानि खाता

विवरण	रू.	विवरण	रू.
To प्रारम्भिक रहतिया (गोवा शाखा का 10,000 रू. शामिल)	40,000	By विक्रय (गोवा शाखा का 20,000 शामिल)	2,80,000
To क्रय खाता	2,00,000		
To चार्जेबल खर्चे	15,000	By अन्तिम रहतिया (गोवा शाखा से 5000 शामिल)	30,000
To सकल लाभ आगे लाये (न वसूल हुये लाभ के समायोजन के पूर्व)	55,000		
	3,10,000		3,10,000
To रहतिया संचय (गोवा शाखा के अन्तिम रहतिया का न वसूल हुआ लाभ)	1,000	By सकल लाभ आगे लाये	55,000
To कार्यालय एवं प्रशासनिक व्यय	13,250	By रहतिया संचय (गोवा शाखा से प्राप्त प्रारम्भिक रहतिया पर न वसूल हुआ लाभ)	4,250
To विक्रय एवं वितरण व्यय	15,000		
To शुद्ध लाभ	30,000		
	59,250		59,250

गोवा शाखा का व्यापार एवं लाभ हानि खाता

वर्ष के अन्त के लिये

विवरण	रू.	विवरण	रू.
To प्रारम्भिक रहतिया (पूना शाखा का 17000 शामिल)	30,000	By विक्रय (पूना शाखा का 15,000 शामिल)	2,95,625
To क्रय खाता	2,50,000		
To चार्जेबल व्यय	27,500	By अन्तिम रहतिया (गोवा शाखा में 4,000 शामिल)	43,500
To सकल लाभ आगे ले गये (न वसूल हुये लाभ के समायोजन से पूर्व)	31,625		
	3,39,125		3,39,125
To रहतिया संचय (पूना शाखा से प्राप्त अन्तिम रहतिया पर न वसूल हुआ लाभ)	1,000	By सकल लाभ आगे लाये	31,625
To कार्यालय एवं प्रशासनिक व्यय	7,000	By रहतिया संचय (पूना शाखा के प्रारम्भिक रहतिया पर न वसूल हुआ लाभ) (10,000 x 20 / 100)	2,000
To विक्रय एवं वितरण व्यय	10,000		
To शुद्ध लाभ	15,625		
	33,625		33,625

© The Institute of Chartered Accountants of India

16. मेसर्स हीरा एण्ड कम्पनी

पटना शाखा का तलपट (US $ में)

31 मार्च, 2016 को

	परिवर्तन दर प्रति US $	डेबिट US $	क्रेडिट US $
	रू.		
1.4.2015 को रहतिया	55	5454.55	—
क्रय एवं विक्रय	58	13793.10	20689.66
विविध देनदार एवं लेनदार	60	6666.67	5000.00
विनिमय विपत्र	60	2000.00	4000.00
मजदूरी एवं वेतन	58	9655.17	—
किराया, दर एवं कर	58	6206.90	—
विविध व्यय	58	2758.62	—
प्लाण्ट	—	6000.00	—
बैंक शेष	60	7000.00	—
यू.एस.ए. कार्यालय खाता	—	—	29845.35
		59535.01	59535.01

व्यापार एवं लाभ एवं हानि खाता

31 मार्च 2016 वर्ष के अन्त में

विवरण	US $	विवरण	US $
To प्रारम्भिक रहतिया	5,454.55	By विक्रय	20,689.66
To क्रय	13,793.10	By अन्तिम रहतिया	7,000.00
To मजदूरी एवं वेतन	9,655.17	(4,20,000 / 60)	
		By सकल हानि आगे ले गये	1,213.16
	28,902.82		28,902.82
To सकल हानि आगे लाये	1,213.16	By शुद्ध हानि	13,778.68
To किराया दर एवं कर	6,206.90		
To विविध चार्ज	2,758.62		
To प्लाण्ट पर ह्रास	3,600.00		
(US $ 6000 x 0.6)			
	13,778.68		13,778.68

© The Institute of Chartered Accountants of India

प्रश्न पत्र – 5 उच्च लेखांकन

पटना शाखा का आर्थिक चिट्ठा
31 मार्च, 2016 को

दायित्व		US $	सम्पत्तियाँ	US $	US $
यू.एस.ए. कार्यालय	29845.35		प्लाण्ट	6000	–
घटाइये : शुद्ध हानि	(13778.68)	16066.67	घटाइये : ह्रास	(3600)	2400.00
विविध लेनदार		5000.00	अन्तिम रहतिया		7000.00
देय बिल	–	4000.00	विविध देनदार		6666.67
			प्राप्य बिल		2000.00
			बैंक शेष		7000.00
		25066.67			25066.67

17 (अ) यह घटना 31 मार्च, 2016 के बाद उत्पन्न हुई है लेकिन सितम्बर, 2016 के पूर्व घटना उत्पन्न हुई है। यह घटना आर्थिक चिट्ठा के तिथि के बाद की है। लेकिन यह घटना आर्थिक चिट्ठे की तिथी को वित्तीय स्थिति को प्रभावित नहीं करती है। इसलिये इसको संचालकों के रिपोर्ट में दिखाना चाहिये।

(ब) लेखा मानक 5 के अनुच्छेद 4 के अनुसार जो कि शुद्ध लाभ या हानि के लिये पूर्वावधि मदें और लेखांकन नीतियों में परिवर्तन पूर्वावधि मदों को इस प्रकार परिभाषित करता है ''आय और व्यय जो कि वर्तमान अवधि में उत्पन्न होते हैं, त्रुटियों या भूलों के कारण जो कि वित्तीय विवरणी को बनाने में एक या उससे अधिक पूर्वावधि के लिये होते है।

लेखा मानक 5 के अनुच्छेद 4 के अनुसार रहतिये के मूल्यांकन को ठीक करना पूर्वावधि मद है। 1.4.2016 के प्रारम्भिक रहतिये में 14.5 लाख रू. को जोड़ा जाना चाहिये और यह भी आवश्यक है कि 14.5 लाख रू. को पूर्वावधि शोधन (समायोजन) लाभ हानि खाते के लाइन में नीचे दिखाना चाहिये। लेखा मानक 5 के अनुच्छे 15 के अनुसार इस मद का पृथक प्रकटीकरण किया जाना चाहिये।

18 (अ) लेखा मान 11 (संशोधित 2003) के अनुच्छेद 13 ''विदेशी विनिमय दरों में परिवर्तन के प्रभाव'' मौद्रिक मदों के निपटारे पर अथवा उनसे अलग दरों पर एक उपक्रम की मौद्रिक मदों को प्रतिवेदन पर उत्पन्न विनिमय अन्तर जिन पर वे अवधि के दौरान प्रारम्भिक रूप से अभिलेखित किया गया अथवा पूर्व वित्तीय विवरणों में प्रतिवेदित अवधि में आय अथवा व्यय के रूप में मान्य किये जाने चाहिये, जिसमें वे उत्पन्न होते हैं। इस प्रकार स्थायी सम्पत्तियों के अधिग्रहण के उद्देश्य हेतु व्यय, दायित्वों के पुनर्भुगतान पर उत्पन्न विनिमय अन्तरों को आय अथवा व्यय के रूप में मान्य किया जाता है।

विनिमय अन्तर की गणना

© The Institute of Chartered Accountants of India

$$\text{विदेशी मुद्रा ऋण} = \frac{\text{3,000 लाख रूपया}}{\text{40}} = \text{75 लाख यू.एस. डालर}$$

विनिमय अन्तर = 75 लाख यू.एस. डालर X (42.50–40.00)

=187.50 लाख रूपया

(पहली किस्त के भुगतान पर विनिमय हानि को शामिल करते हुये)

इसलिये, विनिमय अन्तरों के कारण 187.50 लाख रूपया की सम्पूर्ण हानि को वर्ष के लाभ हानि खाते से चार्ज करना चाहिए।

नोट : उपरोक्त उत्तर इस आधार को आधार मानते हुए दिया गया है कि कम्पनी ने लेखा मानक 11 के अनुच्छेद 46 में उपलब्ध पूंजीकरण के विकल्प का प्रयोग नहीं किया है। यदि कम्पनी पूंजीकरण के विकल्प का प्रयोग करती है तो उत्तर में परिवर्तन होगा।

(ब) लेखा मानक 12 सरकारी अनुदानों हेतु लेखांकन में वित्तीय विवरणों में विशिष्ट स्थायी सम्पत्तियों से सम्बन्धित अनुदानों के प्रस्तुतीकरण की दो विधियों से सम्बन्धित है। प्रथम विधि के अन्तर्गत अनुदान के 5,00,000 रूपये इसके पुस्तक मूल्य पर आने में मशीन के सकल पुस्तक मूल्य से छूट के रूप में दिखाया जा सकता है। इस प्रकार अनुदान घटते हुए ह्रास प्रभार की विधि द्वारा ह्रासित सम्पत्ति के उपयोगी जीवन के दौरान लाभ हानि विवरण में मान्य होता है।

दूसरी विधि के अन्तर्गत इसे आस्थगित आय के रूप में माना जा सकता है। जिसे उस अनुपात में जिसमें मशीन पर ह्रास प्रभारित होगा अनुपात में 10 वर्ष के उपयोगी जीवन के दौरान लाभ हानि विवरण में मान्य होना चाहिये। लाभ हानि खाते में इसके प्रभाजन के समय आस्थगित सरकारी अनुदानों को ''संचयी तथा आधिक्य'' के बाद लेकिन 'आरक्षित ऋणों' से पहले दिखाया गया है। निम्नलिखित की भी अभिव्यक्ति होनी चाहियेः

(i) वित्तीय विवरणों में प्रस्तुतीकरण की विधियों सहित सरकारी अनुदानों हेतु अपनाई गई, लेखांकन नीति

(ii) वित्तीय विवरणों में मान्य सरकारी अनुदानों की प्रकृति तथा विस्तार, 5 लाख रूपया को चालू वर्ष के लाभ हानि विवरण में जमा होना आवश्यक है।

19 (अ). लेखा मानक 16 के अनुच्छेद 10 ''ऋण लेने की लागत'' ''उस सीमा तक जहाँ तक कोषों को किसी योग्य सम्पत्ति को प्राप्त करने के विशिष्ट उद्देश्य हेतु उधार लिया जाता है, उस सम्पत्ति पर पूँजीकरण हेतु योग्य ऋण लेने की लागत की राशि अवधि के दौरान उस ऋण पर व्यय हुई वास्तविक ऋण लेने की लागत के रूप में निर्धारित होनी चाहिए, ऐसी ऋणों के अस्थायी निवेशों पर ऐसी आय को घटायें।'' पूँजीकरण की दर एक योग्य सम्पत्ति को प्राप्त करने के उद्देश्य हेतु विशिष्टतः लिये गये ऋणों के अतिरिक्त उस अवधि के दौरान अदत्त रहे उपक्रम के ऋणों पर लागू होने वाली ऋण लागतों पर भारित औसत होनी चाहिए। एक अवधि के दौरान पूंजीकृत ऋण लेने की लागत की राशि उसी अवधि के दौरान व्यय की गई ऋण लेने की लागत की राशि से अधिक नही होनी चाहिए। इसलिये इस केस में रैनबो लिमिटेड के लेखाकर का यह

© The Institute of Chartered Accountants of India

व्यवहार गलत (अशुद्ध) है वित्तीय वर्ष 2016–17 के लिये उधार लागतें का पूंजीकरण की गणना निम्न प्रकार होगीः

	करोड़ रूपये में
2016–17 के लिये वास्तविक ब्याज (11% of 150 करोड़)	16.50
घटाइये : विशिष्ट उधार से अस्थायी विनियोग की आय	(3.50)
वर्ष 2016–17 के दौरान उधार लागतों का पूँजीकरण होगा	13.00

(ब) लेखां मानक 19 'पट्टे', एक पट्टे को वित्त पट्टे के रूप में वर्गीकृत किया जाता है। हालांकि यदि पट्टाकृत सम्पत्ति का उचित मूल्य पट्टेदार के दृष्टिकोण से न्यूनतम पट्टा भुगतानों के वर्तमान मूल्य से अधिक हो तो सम्पत्ति के रूप में अभिलिखित राशि पट्टेदार के दृष्टिकोण से न्यूनतम पट्टा भुगतानों का वर्तमान मूल्य होना चाहिए।

उपरोक्त केस में उपलक्षित (implicit) ब्याज की दर 15% दी हैं। न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य @15%। वार्षिक (Annuity) तत्व की गणना इस प्रकार कर सकते हैं+

	रू.
वार्षिकी तत्व (Annuity factors) (एक वर्ष से 5 वर्ष तक)	3.36 (लगभग)
न्यूनतम पट्टा भुगतान का वर्तमान मूल्य (3 लाख रू प्रति वर्ष)	10.08 लाख (लगभग)

न्यूनतम पट्टा मूल्य भुगतान का वर्तमान मूल्य 10.08 लाख रू. है एवं मशीन का उचित मूल्य 30 लाख रू. है। वित्तीय पट्टे में पट्टे की अवधि उपयोगी जीवन के अंधिकांश भाग से संबंधित होनी चाहिये, यद्यपि स्वामित्व का हस्तांतरण नहीं हुआ। उपरोक्त केस में, मशीन का प्रभावशाली जीवनकाल 14 वर्ष है, जबकि पट्टा अवधि केवल पाँच वर्ष है। इसलिये, यह पट्टा अनुबन्ध परिचालन पट्टा होगा। एक परिचालन पट्टे के अन्तगर्त पट्टा भुगतानों को पट्टा अवधि के सरल रेखा आधार पर लाभ हानि विवरण में एक व्यय के रूप में माना जाना चाहिये जब तक कि उपयोगकर्ता के लाभ के समय प्रारूप का और अधिक प्रतिनिधिस्वरूप एक व्यवस्थित आधार नहीं होता।

20(अ). यह माना गया है कि अशतः प्रदत्त अंश लाभांश में चुकता राशि की सीमा तक हिस्सा लेने के लिये अधिकृत है। इसलिये प्रति अंश अर्जन के लिए अंशतः प्रदत्त समता अंश का मूल्य 300 रू. लिया जायेगा।

भारित औसत की गणना निम्न प्रकार की जायेगीः

(1800 X 12 / 12) + (300 X 2 / 12) = 1850 अंश

© The Institute of Chartered Accountants of India

बोनस निर्गमन या अंश भिन्न की स्थिति में बिना किसी अतिरिक्त प्रतिफल के विद्यमान अंशधारकों को समता अंश निर्गमित किये जाते हैं। इसलिये, अदत्त समता अंशों की संख्या बढ़ जाती है बिना संसाधनों में कोई वृद्धि हुये। घटना से पूर्व अदत्त अंशों की संख्या को अदत्त समता अंशों की संख्या के आनुपातिक परिवर्तन हेतु समायोजित किया जाता है। मानो घटना प्रतिवेदित शीध्रतम अवधि के प्रारम्भ में ही घट चुकी है।

(ब) लेखा मानक 26 ''अमूर्त सम्पत्तियाँ'' के अनुच्छेद 41 के अन्तर्गत अनुसन्धान से (अथवा आंतरिक परियोजना के अनुसंधान चरण से) उत्पन्न किसी सम्पत्ति को ज्ञात नहीं करना चाहिये। अनुसन्धान पर (अथवा आंतरिक परियोजना के अनुसंधान चरण पर) व्यय को अभिज्ञात किया जाना चाहिये जब वह उत्पन्न किये गये हों। अतः कम्पनी इन व्ययों को आस्थगित राजस्व व्यय की तरह प्रतिपादित नहीं कर सकती। 31 मार्च, 2016 को समाप्त होने वाले वर्ष के लिये अनुसन्धान परियोजना पर किये गये 33 लाख रू. की सम्पूर्ण राशि को व्यय के रूप में प्रभारित किया जाना चाहिये।

(स) लेखा मानक 29 ''प्रावधान, आकस्मिक दायित्व एवं आकस्मिक सम्पत्तियाँ'' एक वर्तमान बाध्यता जो पूर्व घटनाओं से उत्पन्न होती है। यह संभावित नहीं है कि बाध्यता का निपटारा करने के लिये आर्थिक लाभों वाले वाह्य प्रवाह की आवश्यकता होगी तो प्रावधान को मान्यता दी जानी चाहिये। अल्फा लि0 पर बाध्यता था कि प्रसविंदा द्वारा निर्धारित अवधि के अन्तर्गत माल की सुपुर्दगी करे। यह सम्भावित है कि अल्फा लि0 के द्वारा माल की सुपुर्दगी निर्धारित समय पर नहीं की जा सकती। यह भी सम्भव है कि क्षतिपूर्ति राशि का भी अनुमान करना पड़े। इसलिये अल्फा लि0 को लेखा प्रमाप के अनुसार आकस्मिक दायित्व के 2 करोड़ रू. प्रदान किये जायेंगे।

© The Institute of Chartered Accountants of India